INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-29 | मथुरा, गुरुवार, 26 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बैरक नंबर दो में बंदी ने उठाया खौफनाक कदम

बंदी ने कारागार के शौचालय में लगाई फांसी,मचा हड़कम्प

फोटो-एआई

यूनिक समय, मथुरा। जिला कारागार की बैरक नंबर दो में निरुद्ध एक बंदी ने शौचालय में लोअर का फंदा लगा कर आत्महत्या का प्रयास किया। ड्यूटी पर तैनात सिपाही ने काफी देर बाद भी बंदी के बाहर न निकलने पर अंदर जाकर देखा तो वह फांसी पर लटका हुआ था। आनन–फानन में उसे उतार कर जेल के हॉस्पिटल में ले जाया गया जहां उसकी चिंताजनक हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेज दिया जहां उसकी मौत हो गई। जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग ने बताया कि सुरेश (57) पुत्र मोहन सिंह निवासी गांव महरौली थाना गोवर्धन जिला कारागार की बैरक नंबर दो में मई 2025 से एनडीपीसी एक्ट में निरुद्ध था। बताया गया कि बीती देर रात सुरेश शौचालय गया, लेकिन काफी देर तक

बंदी ने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान तोड़ा दम

एनडीपीसी एक्ट में काफी समय से निरुद्ध था बंदी

वह वापस नहा लाटा दस मिनट बाद पहरा दे रहे सिपाही को कुछ संदेह हुआ। उसने अंदर जाकर देखा तो उसके होश उड़ गए। सुरेश अपने लोअर को गेट की कुंडी में बांधकर फांसी का फंदा लगा कर लटका हुआ था। जेल कर्मियों ने उसे तुरंत नीचे उतारा। सुरेश को तुरंत जेल के हॉस्पिटल में ले जाया गया। जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। उसकी चिंताजनक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल ले जाया गया। जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बंदी सुरेश के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बंदी के फांसी लगाने पर अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे

यूनिक समय, मथुरा। जिला कारागार में बंदी द्वारा फांसी लगाए जाने की खबर से जेल अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों में हड़कंप मच गया। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने जिला कारागार पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही इस बारे में अन्य बंदियों से जानकारी भी हासिल की। मृतक बंदी सुरेश के परिवार के लोगों को भी इस बारे में सूचना मिली तो वे भी अस्पताल पहुंच गए।

24 मार्च को हाईकोर्ट में जमानत की अपील नहीं हो सकी लिस्टेड

यूनिक समय, मथुरा। जिला कारागार की बैकर में फांसी लगाने वाला बंदी सुरेश जमानत न होने के कारण मानसिक तौर पर परेशान था, जिसके चलते उसन ये कदम उठाया। सुरेश को एनडीपीसी एक्ट में लंबे समय से जमानत न मिलने के कारण वह बेहद परेशान था। परिवार के लोगों से भी जमानत न होने पर नाराज था। बताया गया कि परिवार के लोगों ने उसकी जमानत के लिए हाईकोर्ट में अपील की

आत्महत्या से पूर्व जमानत न होने पर पिता से जताई थी नाराजगी

थी। 24 मार्च को भी उसका मामला सुनवाई के लिए सूचिबद्ध नहीं हो सका था। घटना से पहले सुरेश ने अपने पिता से फोन पर बातचीत कर नाराजगी जाहिर की थी। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

पुलिस का लंगड़ा अभियान लोगों पर पड़ रहा भारी

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस द्वारा अपराधियों को लंगड़ा कर समाज में अपराधियों को लेकर दिए जाने वाले सुरक्षा के संदेश अब लोगों पर भारी पड़ रहे हैं। पुलिस द्वारा किए गए हाफ एनकाउंटर में पुलिस से मुखबरी करने के शक में इस तरह के अपराधी कुछ लोगों से अपना बदला चुकाने के लिए उनके साथ मारपीट व जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। पुलिस अपराधियों के खिलाफ उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई के नाम पर मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली मारकर उनका हाफ एनकाउंटर कर रही है। पुलिस इस कार्रवाई को समाज में उनके द्वारा अपराधिक वारदात कर जनता में फैलाए जाने वाले भय को कम करने का प्रयास कर रही है। इस बात से लोगों को भले ही कुछ समय के लिए राहत मिल जाती है, लेकिन जमानत पर छूटने और इलाज के बाद इस तरह के अपराधी और खूंखार हो रहे हैं। वह इस बात का पता लगा कर उनके साथ हुई घटना के पीछे कौन व्यक्ति हो सकता है अथवा है। उससे बदला ले रहे हैं। हाल ही में कृष्णानगर पुलिस ने एक आपराधिक प्रवृत्ति के युवक को मुठभेड़

अपराधी पकड़वाने के शक में लोगों से कर रहे हैं मारपीट

एक ऐसे ही अपराधी का शिकार हुआ युवक

पुलिस से लगा रहा है अपराधी से बचाने की गुहार

के दौरान पैर में गोली मारकर घायल कर दिया था। जमानत पर आने के बाद एक परिवार से चल रही दुश्मनी के चलते उसकी पुलिस से मुखबरी करने के शक में राधापुरम चौराहे पर गुटखा खरीदने के लिए आए एक युवक को बुरी तरह तमंचे की बटों से पीटा और उसको अगवा करने के की भी कोशिश की। घायल युवक के परिवार के लोग अपने साथ के जाने वाली मारपीट की घटना को लेकर बेहद परेशान हैं। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करने का परिवार को भरोसा दिया है। यह तो एक मामला है। इस तरह के अपराधी जेल से जमानत पर आने के बाद मुखबरी के शक में लोगों के साथ उनसे अपने तरीके से निपट रहे हैं।

रामवीर हत्याकांड में पुलिस को मिला अहम सुराग, बैग व दस्तावेज बरामद

यूनिक समय, मथुरा। थाना शेरगढ़ क्षेत्र के गांव अगरयाला निवासी रामवीर के अपहरण के बाद हुई हत्या के मामले में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। पुलिस द्वारा एक व्यक्ति को रिमांड पर लेकर की गई पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर मृतक का बैग तथा कुछ जरूरी अभिलेख बरामद किए गए हैं। ज्ञात हो कि 9 फरवरी को रामवीर का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी गई थी और बाद में शव को फेंक दिया गया था। पुलिस मामले की भारत तेवतिया उर्फ भरतो, रंजीत निवासी पलवल से रिमाण्ड पर लेकर जांच कर रही है और पूरे घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों को एकत्रित किया जा रहा है।

सौगात राधाकुंड मार्ग का होगा कायाकल्प, श्रद्धालुओं को मिलेगी बड़ी सुविधा

कुंड मार्ग सुधार से परिक्रमा होगी और आसान

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की आस्था से जुड़े महत्वपूर्ण राधाकुंड मार्ग का जल्द ही कायाकल्प होने जा रहा है। करीब 2.96 करोड़ रुपये की लागत से इस मार्ग का सौंदर्यीकरण और आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा, जिससे धार्मिक, पर्यटन, परिक्रमा व्यवस्था और स्थानीय अर्थव्यवस्था–चारों क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। परियोजना के तहत सड़क किनारे आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, आकर्षक सौंदर्यीकरण और आवश्यक संरचनात्मक सुधार कार्य किए जाएंगे। इससे मार्ग न केवल अधिक सुंदर और व्यवस्थित बनेगा, बल्कि रात्रि में भी आवागमन सुरक्षित और सहज हो सकेगा।

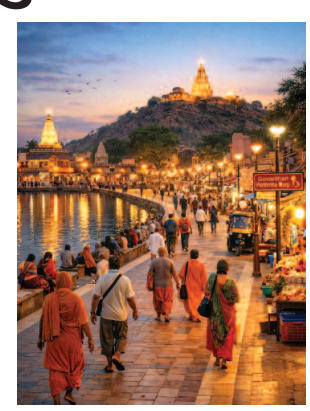

राधाकुंड क्षेत्र ब्रज की परिक्रमा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु गोवर्धन परिक्रमा और कुंड परिक्रमा करते हैं, जबकि विशेष अवसरों पर लाखों श्रद्धालु इस मार्ग से गुजरते हैं। ऐसे में मार्ग के विकास से

2.96 करोड़ से संवरेंगे मार्ग और सुविधाएं

श्रद्धालुओं व पर्यटकों को मिलेगा बेहतर अनुभव

स्थानीय कारोबार को मिलेगा लाभ

परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा मिलेगी और भीड़ प्रबंधन भी बेहतर हो सकेगा। पर्यटन के दृष्टिकोण से भी यह परियोजना अहम साबित होगी। बेहतर सड़क और आकर्षक वातावरण से बाहरी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे मथुरा–वृंदावन क्षेत्र की पहचान और मजबूत होगी। इसका सीधा असर स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। मार्ग के किनारे स्थित दुकानदार, प्रसाद विक्रेता, धर्मशालाएं, होटल और परिवहन सेवाएं इससे लाभान्वित होंगी। बढ़ती भीड़ से व्यापारिक गतिविधियां तेज होंगी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। परियोजना को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप निर्धारित समयसीमा में पूरा करने पर जोर दिया गया है, ताकि जल्द ही श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिल सके। कुल मिलाकर, राधाकुंड रोड का यह कायाकल्प आस्था, परिक्रमा, पर्यटन और अर्थव्यवस्था–चारों को नई गति देने वाला महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

नंदगांव में शिक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल, जांच की मांग तेज

यूनिक समय, मथुरा। नंदगांव विकासखंड में शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वर्तमान नोडल एआरपी भारती यादव की कार्यशैली पर आरोप लग रहे हैं कि वह अपने दायित्वों में अपेक्षित स्वतंत्रता नहीं दिखा पा रही हैं और पूर्व नोडल एआरपी राजेश कुमार पर निर्भर हैं।

बताया जा रहा है कि कार्यमुक्त होने के बावजूद राजेश कुमार बीआरसी संचालन और बैठकों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) की मासिक बैठकों में लगातार अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

इस स्थिति ने शिक्षा तंत्र की पारदर्शिता, जवाबदेही और निर्णय प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने नियुक्ति प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। साथ ही, मामले की जांच

दोनों पक्षों को बुलाकर जांच के बाद ही कार्रवाई की जाएगी :बीएसए

सीबीसीआईडी जैसी स्वतंत्र एजेंसी से कराने की मांग तेज हो गई है, ताकि सच्चाई सामने आ सके और व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित हो सके। वहीं बीएसए रतन कीर्ति से इस प्रकरण के बारे में फोन पर जानकारी चाही तो उन्होंने कहा कि इस मामले में दोनों पक्षों को कार्य दिवस में बुलाकर पूछताछ की जाएगी। इसके बाद जांच पड़ताल कर दोषी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी। उधर, वर्तमान नोडल एआरपी भारती यादव से फोन पर वार्ता की गई तो उन्होंने उक्त प्रकरण में फोन पर बात करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यालय पर आकर हमसे पूछताछ की जाए।

मथुरा-गोवर्धन मार्ग का कायाकल्प

रोशनी और सौंदर्य से निखरेगा पथ

सिटीरिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–गोवर्धन मार्ग पर यातायात सुविधा, सौंदर्य बढ़ाने और पर्यटन को नया आयाम देने के लिए 3.05 करोड़ रुपये परियोजना पर व्यय करने एवं कार्य शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। जमुनावता चौराहे से डीग अड्डे तक सड़क किनारे प्रकाश व्यवस्था और सौंदर्यीकरण की परियोजना को अमल में लाने की तैयारी शुरू हो गई है। इस लागत से प्रस्तावित परियोजना के तहत मार्ग पर आधुनिक लाइटिंग सिस्टम, आकर्षक डिजाइन और पर्यावरण अनुकूल सौंदर्यीकरण कार्य किए जाएंगे। इससे न केवल सड़क की दृश्यता बेहतर होगी, बल्कि रात्रि में आवागमन भी अधिक सुरक्षित और सुगम बनेगा। सूत्रों के अनुसार, कार्य प्रारंभ करने के लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य तय समय में शुरू किया जाएगा, जिससे जल्द से जल्द जनता को इसका लाभ मिल सके। यह मार्ग धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी मार्ग से हजारों श्रद्धालु गोवर्धन और अन्य धार्मिक स्थलों तक जाते हैं। ऐसे में मार्ग की रोशनी और सौंदर्यीकरण से न केवल स्थानीय नागरिकों, बल्कि बाहरी पर्यटकों को भी बेहतर अनुभव मिलेगा। परियोजना के अंतर्गत कार्यदायी संस्था गुणवत्ता और मानकों का विशेष ध्यान रखेगी। पर्यावरणीय संतुलन के लिए हरियाली का विकास भी शामिल है। तय समय में कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि जल्द ही यह मार्ग आधुनिक सुविधाओं से युक्त हो जाए। कुल मिलाकर, मथुरा–गोवर्धन मार्ग का कायाकल्प न केवल यात्रा को सुगम बनाएगा, बल्कि धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगा, जिससे क्षेत्र का आर्थिक व सामाजिक विकास भी तेज होगा।

3.05 करोड़ की परियोजना से पर्यटकों को मिलेगा आकर्षक और सुरक्षित सफर

तापमान / मौसम

33 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

19 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,50,000

22 कैरेट 1,38,000

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,28,000 प्रति किलो

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

अष्टमी पर भक्ति में डूबी कान्हा की नगरी

मंदिरों व घरों में हुई माता की विशेष पूजा

मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़ का नजारा।

कन्या पूजन कर लिया आशीर्वाद, भक्तिमय हुआ पूरा माहौल

कात्यायनी मंदिर में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब, भक्तों ने लगाए मां के जयकारे

अष्टमी और नवमी के मिलन पर संधि आरती के साक्षी बने भक्त, किया पुण्य लाभ अर्जित

मंदिर पुजारियों ने लुटाए खजाने के सिक्के, भक्तों में हुई होड़

यूनिक समय, मथुरा। चैत्र नवरात्र के पावन पर्व पर अष्टमी के दिन गुरुवार को धर्मनगरी मथुरा पूरी तरह भक्तिरस में सराबोर नजर आई। तड़के से ही श्रद्धालुओं ने शुभ मुहूर्त में विधि–विधान के साथ पूजा–अर्चना कर मां दुर्गा की आराधना की। शहर के प्रमुख मंदिरों के साथ–साथ घरों में भी विशेष आयोजन हुए, जहां कन्या पूजन कर उन्हें प्रसाद स्वरूप भोजन कराया गया और आशीर्वाद प्राप्त किया गया। सुबह होते ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। घंटों और घड़ियालों की मधुर ध्वनि से वातावरण गुंजायमान हो उठा। हर ओर "जय माता दी" के उद्घोष सुनाई दिए, जिससे पूरा परिवेश आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। भक्तों ने माता के दरबार में पहुंचकर सुख–समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। अष्टमी के अवसर पर कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए लोगों ने छोटी–छोटी बच्चियों को देवी का स्वरूप मानकर उनका पूजन किया। घरों में सजी थालियों में पूड़ी, चने और हलवे का प्रसाद तैयार किया गया। श्रद्धालुओं ने आदरपूर्वक कन्याओं को बैठाकर भोजन कराया, चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया। शहर के प्रमुख देवी मंदिरों में भी भव्य सजावट की गई थी। फूलों और रोशनी से सजे दरबार भक्तों को आकर्षित कर रहे थे। कई स्थानों पर भजन–कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु भावविभोर होकर शामिल हुए। ढोलक और मंजीरे की ताल पर गाए जा रहे भजनों ने वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया। शहर में ही नहीं, आसपास के कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी अष्टमी का पर्व पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया।

मां कात्यायनी

वृंदावन। चैत्र नवरात्रि के पावन उपलक्ष्य में कान्हा की नगरी वृंदावन पूरी तरह शक्ति की भक्ति में डूब गई। श्री धाम वृंदावन के सुप्रसिद्ध कात्यायनी मंदिर में अष्टमी और नवमी के पावन मिलन के अवसर पर भव्य 'संधि आरती' का आयोजन किया गया। इस अलौकिक दृश्य का साक्षी बनने के लिए देश के कोने–कोने से हजारों श्रद्धालु मंदिर प्रांगण में एकत्रित हुए, जिससे पूरा वातावरण 'जय माता दी' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। मंदिर की ट्रस्टी रवि दयाल ने बताया कि यहाँ संधि आरती की यह गौरवशाली परंपरा पिछले 100 वर्षों से भी अधिक समय से अनवरत चली आ रही है। उन्होंने कहा, "अष्टमी तिथि के समापन और नवमी के प्रारंभ का समय 'संधि काल' कहलाता है। मंदिर के प्रबंधक विजय मिश्र ने बताया कि मुख्य आकर्षण मंदिर के पुजारियों द्वारा भक्तों के बीच 'माता का खजाना' लुटाना रहा। आरती के पश्चात जैसे ही पुजारियों ने मंच से सिक्के, टॉफी, बिस्कुट और अन्य सामग्री भक्तों की ओर उछालनी शुरू की, पूरा प्रांगण हर्षोल्लास से भर गया। यदि सिक्कों को कोई भक्त अपने घर ले जाकर अपनी तिजोरी या धन–स्थान पर रखता है, तो उस पर वर्ष भर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा बनी रहती है। भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन और स्थानीय पुलिस द्वारा सुरक्षा के चाक–चौबंद इंतजाम किए गए थे। इस मौके मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विष्णु प्रकाश, नरेश दयाल, रवि दयाल, संजय बहादुर, नरेंद्र गोहिल, प्रीति, मंदिर प्रबंधक विजय मिश्र सहित सैकड़ों भक्त मौजूद रहे।

श्री दीर्घ विष्णु मंदिर में मनाया जाएगा रामनवमी महोत्सव

यूनिक समय, मथुरा। प्राचीन श्री दीर्घ विष्णु मंदिर में इस वर्ष भी श्री रामनवमी महोत्सव पारंपरिक एवं धार्मिक रीति–रिवाजों के साथ मनाया जाएगा। मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले इस उत्सव को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिर के सेवायत महंत कांतानाथ चतुर्वेदी एवं श्री दीर्घ विष्णु मंदिर सेवा संस्थान के प्रवक्ता रामदास चतुर्वेदी शास्त्री ने जानकारी देते हुए बताया कि चैत्र शुक्ल नवमी शुक्रवार को प्रातः मंगला आरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। इसके पश्चात सुबह 8:30 बजे वैदिक विधि-विधान से पंचामृत अभिषेक व आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा।

देवी मंदिर में अष्टमी पर श्रद्धा के साथ हुआ कन्या पूजन

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णानगर स्थित बैंक कॉलोनी के प्राचीन सिद्ध श्री दुर्गा देवी मंदिर में नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित नवचंडी महायज्ञ महोत्सव का समापन अष्टमी के दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ। इस अवसर पर मां भगवती का भव्य श्रृंगार, फूल बंगला सजावट, हवन–पूर्णाहुति और कन्या पूजन विधि–विधान से संपन्न किया गया। मंदिर के महंत आचार्य पंडित रामकृष्ण शास्त्री ने बताया कि नवरात्रि में सप्तमी तिथि से कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है। भक्तजन कन्याओं को घर बुलाकर उनका आदर–सत्कार करते हैं। अष्टमी और नवमी के दिन इन कन्याओं को नौ देवी का स्वरूप मानकर उनकी पूजा की जाती है। कन्याओं का सम्मान और उन्हें भोजन कराने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्तों को सुख–समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करती हैं। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही और पूरा वातावरण भक्ति भाव से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में आचार्य कुशल शर्मा, जगत बहादुर अग्रवाल, राजकुमार मिश्रा, श्रीराम शर्मा, दिवस मिश्रा, एकाक्ष शर्मा, मनोहर कनक, राजेंद्र सक्सेना, कपिल अरोड़ा, बीना, अर्पिता मिश्रा, लक्ष्मी, नीरू और मीरा कौशिक सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

माता महागौरी की पूजा–अर्चना कर मांगा आशीष

कस्बा स्थित फरा देवी मंदिर में पूजा अर्चना करते श्रद्धालु।

यूनिक समय, फरह। नवरात्र के आठवें दिन भक्तों ने कस्बा स्थित फरा देवी मंदिर और पथवारी मंदिर में दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की आराधना कर अष्टमी पूजा की। नौ दिन तक व्रत रखने वालों ने मंदिर भवन प्रांगण में अज्ञारी लगा मनौतियां मांगी। महिलाओं ने अपने बच्चों का मुंडन करा मां को भेंट चढ़ाई। पूजा अर्चना का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। गुरुवार को मां फरा देवी मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों ने आकर पूजा अर्चना की। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों ने मां के भवन पर नाचते गाते मां का गुणगान किया। इसके अलावा कस्बा स्थित पथवारी मंदिर में भी भक्तों ने मां महागौरी की आराधना की। घरों में महिलाओं ने समूह में देवी गीत गाकर मां का गुणगान किया गया। देवी भक्तों ने दुर्गा सप्तशती का पाठ कर मां भगवती से सुख शांति का आशीर्वाद पाने की कामना की। महिलाओं ने घरों में पूजा–अर्चना करने के बाद कन्या और लांगुर को प्रसाद खिलाया और दक्षिणा देकर आशीर्वाद लिया। कस्बा स्थित फरा देवी मंदिर पर कल यहां नवमी पर मेला का आयोजन होगा। इस मौके पर काली की सवारी भी निकाली जाएगी।

कल निकलेगी काली की सवारी

लेफ्टिनेंट कर्नल बने देवेंद्र शर्मा का भव्य स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जनजागरूकता समिति के विनोद दीक्षित एवं अन्य लोगों के द्वारा लेफ्टिनेंट कर्नल बने देवेंद्र शर्मा का सम्मान कर रोड शो निकाला गया। देवेंद्र शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे सोशल मीडिया से दूरी बनाकर अपने लक्ष्य तय करें और अनुशासन के साथ मेहनत करें। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत और लगन से सफलता जरूर मिलती है। गगन अग्रवाल ने कहा कि उनकी संस्था से कई युवा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होकर देश सेवा कर रहे हैं।

युवाओं को दी प्रेरणा

स्मार्ट मीटर पर बवाल, विरोध को देख विद्युत टीम लौटी

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के कोसीकलां क्षेत्र की पंजाबी कॉलोनी में स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर गुरुवार को जोरदार विरोध देखने को मिला। विद्युत विभाग की टीम जैसे ही कॉलोनी में पहुंची, स्थानीय लोग एकत्र हो गए और उन्होंने मीटर लगाने से साफ इनकार कर दिया। हालात ऐसे बने कि टीम को बिना काम किए ही वापस लौटना पड़ा। कॉलोनीवासियों का कहना था कि वे वर्तमान मीटर व्यवस्था से पूरी तरह संतुष्ट हैं और नई तकनीक की उन्हें कोई आवश्यकता नहीं है। लोगों ने आशंका जताई कि स्मार्ट मीटर लगने से बिजली बिल में बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। विरोध के बीच मौके पर पहुंचे एसडीओ पंकज कुमार और एक्सईएन

स्मार्ट मीटर का विरोध करते स्थानीय लोग।

ने लोगों को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि स्मार्ट मीटर से बिजली खपत की सटीक जानकारी मिलती है, बिलिंग में पारदर्शिता आती है और उपभोक्ता अपनी खपत को ऑनलाइन भी देख सकते हैं। उन्होंने इसे सरकार की प्राथमिकता योजना बताते हुए सहयोग करने की अपील की। हालांकि, अधिकारियों के समझाने के बावजूद स्थानीय लोग अपनी बात पर अड़े रहे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक तीखी बहस होती रही, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। कॉलोनी के संजय उपाध्याय, मानव कुमार, अंकित मालवीय, उमेश सुनार और मनोज कुमार शास्त्री सहित कई लोगों ने खुलकर इस योजना का विरोध किया और मीटर लगाने से इंकार कर दिया। अंततः स्थिति को देखते हुए विद्युत विभाग की टीम को बिना मीटर लगाए ही लौटना पड़ा। एसडीओ पंकज कुमार ने बताया कि क्षेत्र के लगभग 70 प्रतिशत हिस्सों में स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, लेकिन इस इलाके में विरोध के चलते काम रुक गया है। अब विभाग आगे की रणनीति तैयार कर रहा है, ताकि योजना को सुचारू रूप से लागू किया जा सके।

मथुरा में योजनाओं की हकीकत

शादी अनुदान में 100% उपलब्धि अन्य योजनाओं में सुधार की गुंजाइश

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की फरवरी माह की समीक्षा में समग्र रूप से संतुलित प्रदर्शन सामने आया है। जहां कुछ योजनाओं में शत-प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई है, वहीं अन्य योजनाओं में भी निरंतर सुधार के संकेत मिले हैं। सबसे बेहतर प्रदर्शन शादी अनुदान योजना (अनुसूचित जाति) में देखने को मिला, जहां फरवरी की रिपोर्ट के अनुसार कुल 50.40 लाख रुपये की धनराशि का पूर्ण उपयोग करते हुए 252 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इसी तरह सामान्य वर्ग शादी अनुदान योजना में 25.40 लाख रुपये वितरित कर 127 लाभार्थियों को सहायता दी गई और दोनों योजनाओं में 100 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के अंतर्गत 598 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश मामलों का निस्तारण कर पात्र परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। शेष प्रकरणों के निस्तारण की प्रक्रिया जारी है, जिससे योजना का लाभ और अधिक लोगों तक पहुंचने की उम्मीद है। वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत बड़ी संख्या में लाभार्थियों को नियमित रूप से पेंशन का भुगतान किया जा रहा है। नए आवेदनों के सत्यापन और स्वीकृति की प्रक्रिया भी लगातार जारी है, जिससे लाभार्थियों की संख्या में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। इसी प्रकार दिव्यांगजन पेंशन योजना में भी पात्र लाभार्थियों को सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सत्यापन और भुगतान प्रणाली को और बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि योजना का लाभ समय पर मिल सके। छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत भी हजारों छात्रों को लाभान्वित किया गया है। तकनीकी और दस्तावेजी कारणों से लंबित मामलों का निस्तारण तेजी से किया जा रहा है, जिससे आने वाले समय में प्रगति और बेहतर होने की संभावना है। इसके अलावा अत्याचार पीड़ित सहायता सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में भी पात्र लाभार्थियों तक सहायता पहुंचाने के प्रयास जारी हैं और जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मथुरा में सामाजिक योजनाओं का क्रियान्वयन सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहा है। शादी अनुदान योजना की सफलता के साथ-साथ अन्य योजनाओं में भी सुधार के प्रयास भविष्य में बेहतर परिणाम देने की उम्मीद जगा रहे हैं।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि विभाग की प्राथमिकता सभी योजनाओं का लाभ अधिकतम पात्र लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जहां योजनाओं में 100 प्रतिशत प्रगति हुई है, वह उत्साहजनक है, वहीं अन्य योजनाओं में भी निरंतर सुधार किया जा रहा है।

जिले में 23 राशन की दुकानें

अब नई दुकान खोलने पर लगाई रोक

यूनिक समय, मथुरा। जिले में राशन व्यवस्था को ठीक करने के लिए जिला पूर्ति कार्यालय ने बड़ा फैसला लिया है। जिले में जरूरत से ज्यादा राशन की दुकानें चल रही हैं। तय नियमों के मुताबिक जितनी दुकानें होनी चाहिए, उससे 23 दुकानें ज्यादा पाई गई हैं। यह स्थिति खासतौर पर शहर व देहात क्षेत्र में सामने आई है। संबधित विभाग ने साफ कर दिया है कि नई राशन दुकान का लाइसेंस नहीं दिया जाएगा। यानी जो लोग नई दुकान खोलने की सोच रहे थे, उन्हें अब निराशा हाथ लगेगी। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि राशन वितरण व्यवस्था सही तरीके से चल सके। जिला पूर्ति अधिकारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि राशन दुकानों की संख्या आबादी के हिसाब से तय होती है। लेकिन पहले से ज्यादा लाइसेंस जारी होने के कारण अब दुकानों की संख्या जरूरत से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि अगर किसी

निरस्त दुकान को उसी क्षेत्र की दूसरी दुकान में जोड़ा जाएगा

कारण से कोई राशन की दुकान निरस्त होती है, तो उसकी जगह नई दुकान नहीं खोली जाएगी। बल्कि उस दुकान को उसी इलाके की किसी दूसरी राशन दुकान में जोड़ दिया जाएगा। इससे दुकानों की संख्या धीरे-धीरे कम हो जाएगी और व्यवस्था संतुलित होगी। इसका प्रभाव उन लोगों पर भी पड़ेगा जो लंबे समय से राशन की दुकान खोलने की तैयारी कर रहे थे। अब उन्हें लाइसेंस मिलने की संभावना खत्म हो गई है।

अधिकारियों का कहना है कि आगे भी राशन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ऐसे कदम उठाए जाएंगे, ताकि जरूरतमंद लोगों तक सही समय पर और सही मात्रा में राशन पहुंच सके।

सीएमओ कार्यालय के रिश्वतखोर लिपिक के खिलाफ केस दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय में रिश्वतखोरी के मामले में लिपिक शशिकांत वर्मा के खिलाफ थाना महावन में एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता नितिन सिंह ने आरोप लगाया कि दिव्यांग प्रमाण पत्र के सत्यापन के लिए उससे 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई। आरोप है कि इस कार्य के लिए कौशल नामक व्यक्ति के माध्यम से रकम तय की गई थी। शिकायत के आधार पर एंटी करप्शन टीम ने कार्रवाई करते हुए लिपिक को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।

पुलिस ने मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक कल्पना गौतम, निरीक्षक संजय वर्मा, निरीक्षक पूजा वर्मा के अलावा टीम के अन्य सदस्य हैं।

गांजा रखने का आरोपी गिरफ्तार, नौ सिम बरामद

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोवर्धन पुलिस ने एक अभियुक्त को अवैध गांजा रखने और धोखाधड़ी में प्रयोग की जाने वाले 9 फर्जी सिमकार्ड रखने पर गिरफ्तार किया है। गोवर्धन पुलिस ने चेकिंग के दौरान नगला अकातिया को जाने वाले रास्ते की तरफ से युवक रोहिल पुत्र अशरफ निवासी ग्राम कर्मा थाना खोह जिला डीग राजस्थान को रोक कर तलाशी की उसके पास से पुलिस को 410 ग्राम गांजा और 9 फर्जी सिम बरामद हुई। पुलिस के अनुसार युवक इन फर्जी सिमों का इस्तेमाल धोखाधड़ी कर लोगों के साथ ठगी करने के लिए करता था।

बरेली-जयपुर हाईवे पर रखे जनरेटर का ऑल्टीनेटर चोरी

यूनिक समय, मथुरा। बरेली-जयपुर हाईवे पर बिल्डिंग निर्माण के लिए लगाए गए जनरेटर से चोरों ने ऑल्टीनेटर चोरी कर लिया। चोर का पता लगाने पर पुलिस से शिकायत की गई है। बरेली-जयपुर हाईवे पर गांव केशोपुर के निकट एक जनरेटर बिल्डिंग में लेंटर डालने के इस्तेमाल के लिए लाया गया था। जनरेटर से काम हो रहा था। बताया गया कि बुधवार की रात को चोरों ने वहां रखे जनरेटर से ऑल्टीनेटर चोरी कर लिया। चोरी का पता जनरेटर को स्टार्ट करने पर चला। इस संबंध में पुलिस की 112 को सूचना देकर बुलाया गया। इस बारे में कैशोपुर निवासी विकल्प शर्मा का कहना है कि जनरेटर चमिला गांव के रहने वाले अमित लवानिया से किराए पर लिया था। जनरेटर मालिक अमित लवानिया ने हाईवे पर पुलिस का गश्त होते हुए चोरी की वारदात पर चिंता जाहिर की है। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

अब सर्किट हाउस की बुकिंग होगी पूरी तरह ऑनलाइन

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा / लखनऊ। प्रदेश में सर्किट हाउस, निरीक्षण भवन और गेस्ट हाउस में कमरों की बुकिंग व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए ऑनलाइन सिस्टम को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। अब सभी जनपदों में इन भवनों के कक्षों की बुकिंग एक निर्धारित वेब पोर्टल के माध्यम से ही सुनिश्चित की जाएगी। नई व्यवस्था के तहत लोक निर्माण विभाग के अधीन संचालित सर्किट हाउस और निरीक्षण भवनों में ठहरने के लिए इच्छुक लोगों को ऑनलाइन माध्यम से ही आवेदन करना होगा। प्रशासनिक स्तर पर अधिकारियों को लॉगिन आईडी और

पासवर्ड उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे वे बुकिंग प्रक्रिया की निगरानी और अनुमोदन कर सकेंगे।

मिली जानकारी के अनुसार, अब किसी भी प्रकार की ऑफलाइन या अन्य माध्यम से बुकिंग मान्य नहीं होगी। यदि कोई व्यक्ति बिना पूर्व ऑनलाइन बुकिंग के सर्किट हाउस पहुंचता है, तो भी उसकी बुकिंग पोर्टल के माध्यम से ही मौके पर दर्ज की जाएगी और भुगतान भी ऑनलाइन ही

डीएम स्तर से होगी निगरानी, वीआईपी के लिए कमरे रहेंगे आरक्षित

डिजिटल सिस्टम से अनियमितताओं पर लगेगा अंकुश

लिया जाएगा। इससे पूरी प्रक्रिया डिजिटल और पारदर्शी बनेगी।

इसके साथ ही वीआईपी और प्रोटोकॉल व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक सर्किट हाउस में कुछ कक्ष आरक्षित रखे जाएंगे। बड़े सर्किट हाउस (10 से अधिक कक्ष) में 4 कमरे और छोटे भवनों में 2 कमरे प्रोटोकॉल के लिए सुरक्षित रहेंगे। विशेष परिस्थितियों में जिलाधिकारी इन कक्षों के उपयोग में आवश्यक बदलाव भी कर सकेंगे। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य बुकिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना, अनियमितताओं को रोकना और आम लोगों के लिए सुविधा बढ़ाना है। ऑनलाइन प्रणाली लागू होने से अब कक्षों की उपलब्धता, बुकिंग और भुगतान की पूरी जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगी। प्रदेशभर में लागू की जा रही यह ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था सर्किट हाउस संचालन को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाएगी। इससे आम नागरिकों के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यों में भी सुगमता आने की उम्मीद है।

केआर में पुलिस की पाठशाला का आयोजन

साइबर क्राइम व सुरक्षा की दी गई जानकारी

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के एक दिवसीय चतुर्थ कैंप के तहत पुलिस पाठशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने की। मुख्य अतिथि एवं वक्ता एसपी (सुरक्षा) राजकुमार अग्रवाल ने 1930, 1090 और 112 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। उन्होंने साइबर क्राइम, ट्रैफिक नियम, मिशन शक्ति और सरकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को सोशल मीडिया से दूरी बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लालच और डर साइबर अपराध को बढ़ावा देते हैं, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अशोक कुमार कौशिक ने किया, जबकि व्यवस्था डॉ. नवीन अग्रवाल ने संभाली।

इस अवसर पर एनडीए में ऑल इंडिया चौथी रैंक हासिल कर लेफ्टिनेंट बनी छात्रा दामिनी कुशवाहा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रो. राजेश अग्रवाल, प्रो. चिंतामणि देवी, डॉ. राजेश सारस्वत, डॉ. रामदत्त मिश्रा, डॉ. अजय उपाध्याय, हीरालाल शर्मा, प्रवेश शर्मा और आशुतोष शर्मा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

सांसद पप्पू यादव ने द्वारिकाधीश मंदिर में किए दर्शन

यमुना का दुग्धाभिषेक करते बिहार के पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ।

यूनिक समय, मथुरा। बिहार के पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव गुरुवार को कान्हा की नगरी में पहुचकर संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम में पहुंचकर आशीर्वाद लिया और इसके बाद द्वारिका धीष जाकर भगवान के दर्शनकर आशीर्वाद लिया। मंदिर के प्रवक्ता राकेश तिवारी ने उन्हें प्रसाद और पटका भेंट किया। साथ ही विश्राम घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यमुना पूजन एवं दुग्ध अभिषेक कर विश्व कल्याण की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि में भगवान से संकट में फंसे लोगों की रक्षा और समृद्धि की कामना की गई है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने ईरान और इजराइल के बीच जारी युद्ध पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह संघर्ष तुरंत समाप्त होना चाहिए। बिना नाम लिए उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए केंद्र सरकार की नीतियों की

ईरान-इजराइल युद्ध पर जताई चिंता, यमुना पूजन कर विश्व शांति की कामना

आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश में आर्थिक स्थिति कमजोर हुई है, बेरोजगारी बढ़ी है और आम जनता को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सांसद ने कहा कि रुपया लगातार गिर रहा है, जबकि डॉलर मजबूत हो रहा है, लेकिन इस पर कोई ठोस जवाब नहीं दिया जा रहा। उन्होंने गैस सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि महिलाओं को समय पर सुविधा नहीं मिल रही, जिससे घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहा है। इस मौके पर पुनीत चतुर्वेदी, राजन पाठक सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

गणेश शंकर विद्यार्थी को 96 वें बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

गणेश शंकर विद्यार्थी को श्रद्धांजलि अर्पित करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रदूत एवं महान पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी के 96 वें बलिदान दिवस पर गुरुवार को विचार साम्प्रदायिकता विरोधी समिति के कार्यालय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए समिति के शिवदत्त चतुर्वेदी ने कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी ने अपनी पत्रकारिता के माध्यम से आजादी की लड़ाई को मजबूती दी और समाज में एकता व भाईचारे का संदेश फैलाया। उन्होंने अपने जीवन को जनता की सेवा और राष्ट्रीय एकता के लिए समर्पित कर दिया। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर, मनोज गौड़, सुशील सागर, गफ्फार अब्बास, एम. मेहता, विवेक मथुरिया, अर्पित जादौन, सौरभ चतुर्वेदी, रामू सागर और सुरेश शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

झगड़े में जानलेवा हमला करने वाला गिरफ्तार

देशी तमंचा कारतूस बरामद

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने ग्राम पंचायत की जमीन पर खड़ी सरसों की फसल को काटने के दौरान झगड़े में मारपीट कर फायरिंग करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त से देशी तमंचा व कारतूस भी बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार ग्राम पंचायत की जमीन पर बोई गई सरसों की फसल को बिट्टू खान निवासी नगला भूप सिंह थाना मांट ने अपने सहयोगियों के साथ सरसों की फसल को जबरन काट कर ले जाने लगा। दूसरे पक्ष ने इसका विरोध किया तो हमलावरों ने उनके साथ मारपीट की और फायरिंग की थी। पुलिस ने इस मामले में मिरताना अड्डे के निकट से अभियुक्त बिट्टू खान को गिरफ्तार कर लिया।

सम्राट अशोक की जयंती पर पुष्पांजलि व संगोष्ठी

सम्राट अशोक जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय समता फाउंडेशन के तत्वावधान में सम्राट अशोक जयंती के अवसर पर कृष्णा नगर स्थित बिजलीघर कैंप कार्यालय पर पुष्पांजलि सभा एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी मथुरा-वृंदावन विधानसभा प्रत्याशी अनिल अग्रवाल, सपा नेता जागेश्वर यादव ने सम्राट अशोक के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक ने मानवीय मूल्यों के संरक्षण के साथ एक सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिनकी प्रेरणा आज भी याद करते हैं। रमेश सैनी ने सम्राट अशोक के साहस, पराक्रम और मानवता आधारित विचारों पर चलने को कहा। कार्यक्रम में सोहनलाल, सूरजपाल सिंह, विजेंद्र सिंह, बृजलाल, दिसंबर दयाल कर्दम, सागर सिंह, आकाश बाबू, पप्पू सिंह, हंसराज कुरैशी, विनोद बघेल, नरेश, लोकेश राही, महेंद्र सिंह, राज गब्बर सहित कई लोग उपस्थित रहे।

13 साल की खिलाड़ी की तूफानी पारी, बनीं 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट'

52 गेंदों में 163 रन: राधिका पचहरा ने मचाया धमाल

खिलाड़ी को सम्मानित करते पदाधिकारी व अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा की 13 वर्षीय उभरती क्रिकेटर राधिका पचहरा ने अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी से सबको चौंका दिया है। एलीट क्रिकेट एकेडमी की इस होनहार खिलाड़ी ने मध्य प्रदेश में आयोजित अमर शहीद महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट में सिर्फ 52 गेंदों में नाबाद 163 रन बनाकर धमाल मचा दिया। राधिका की पारी इतनी शानदार रही कि उन्होंने मैदान के हर कोने में चौके-छक्के लगाए। उनकी इस तूफानी बल्लेबाजी को देखकर दर्शक और क्रिकेट जानकार दोनों हैरान रह गए। कोच मोहम्मद अफजल ने जानकारी देते हुए बताया कि राधिका 5 साल ही उम्र से ही लगातार अभ्यास कर रही हैं। मेहनत और इनकी लग्न ने अपने जिले का नाम रोशन किया है। राधिका का सपना है कि वह एक दिन भारत के लिए क्रिकेट खेलें और देश का नाम रोशन करें। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए राधिका को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब भी दिया गया। एलन क्रिकेट ग्राउंड के संस्थापक प्रतुल अग्रवाल ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान जितेन्द्र, धर्मेन्द्र, गुलफाम और रोहित सहित काफी लोगों ने इस बच्ची की उपलब्धि पर बधाई दी।

छैल बिहारी के निधन पर शोक की लहर

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली आगरा रेल ट्रैक छाता पर अज्ञात ट्रेन से कट कर एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार शाम के समय छैलबिहारी शर्मा रोजाना की तरह हनुमान बगीची पर दर्शन कर वापस घर लौट रहे थे, तभी ट्रेन की चपेट में आने से घटना स्थल पर ही मौत हो गई। सूचना के बाद पहुंची कोसी रेलवे पुलिस ने मृतक को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। उनके निधन पर छाता सहित आसपास के अनेक गणमान्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

अकादमी सूची में नाम पर विवाद

कलाकार बोले कौन हैं प्रतिभा

यूनिक समय, मथुरा/वृंदावन। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा ब्रज क्षेत्र की कला एवं संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत करने वाले कलाकारों को सम्मानित करने की परंपरा के तहत इस वर्ष भी पुरस्कार सूची जारी की गई है। इस सूची में ब्रज क्षेत्र के चार कलाकारों के नाम शामिल किए गए हैं, जिनमें प्रतिभा शर्मा का नाम सामने आने के बाद स्थानीय कला जगत में विवाद खड़ा हो गया है। बताया जा रहा है कि प्रतिभा शर्मा को वृंदावन निवासी बताया गया है, किन्तु ब्रज क्षेत्र के कई वरिष्ठ एवं स्थापित कलाकारों ने उन्हें पहचानने से इनकार किया है। इसको लेकर कलाकारों में असंतोष और सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर किस आधार पर उनका चयन किया गया। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ कलाकार मोहन स्वरूप भाटिया ने कहा कि उन्होंने प्रतिभा शर्मा को कभी नहीं देखा और न ही उनके किसी कार्यक्रम की जानकारी है। उन्होंने अकादमी से इस चयन पर पुनर्विचार करने की मांग की है। वहीं

विधायक पूरन प्रकाश ने कहा होगी जांच

मथुरा की कलाकार सीमा मोरवाल ने भी बताया कि वह स्वयं वृंदावन की निवासी हैं, लेकिन प्रतिभा शर्मा के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर अकादमी ने किस आधार पर उनका चयन किया। इसी क्रम में पंकज खंडेलवाल ने भी कहा कि उन्होंने भी प्रतिभा शर्मा को किसी सांस्कृतिक मंच पर प्रदर्शन करते नहीं देखा। यदि उन्होंने कहीं कार्य किया है तो उसकी वीडियो या प्रमाण सार्वजनिक किए जाने चाहिए। मामले को गंभीरता से लेते हुए बलदेव विधायक पूरन प्रकाश ने कहा है कि पूरे प्रकरण की गहनता से जांच कराई जाएगी, ताकि चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। इस पूरे विवाद के बाद ब्रज के कला जगत में चर्चा तेज हो गई है और सभी की नजर अब जांच के परिणाम पर टिकी हुई है।

वृन्दावन से उठी प्रदूषण मुक्ति की आवाज

यूनिक समय, वृन्दावन। श्रीधाम वृन्दावन को स्वच्छ बनाने के संकल्प के साथ शुरू हुई पहल आज वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बन चुकी है। लगभग 29 वर्ष पहले 16 अप्रैल 1997 को श्रीरामनवमी के पावन अवसर पर ब्रजवासियों ने इस जनआंदोलन की नींव रखी थी। बीते तीन दशकों में यह मुहिम निरंतर विस्तार पाती हुई पूरे भारत में स्वच्छता का प्रेरक उदाहरण बन गई है। इस अभियान से जुड़े इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी के अनुसार, उस समय वृन्दावन की स्थिति अत्यंत चिंताजनक थी। प्रमुख मंदिरों के आसपास कूड़े के ढेर, सड़कों के किनारे गंदगी से भरी नालियाँ तथा बाजारों में बिखरे अवशेष आम दृश्य थे। आवारा पशुओं के कारण स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इन समस्याओं के समाधान के स्थानीय लोगों ने एकजुट होकर प्रयास प्रारंभ किए। समाजसेवी संजयरतन के मार्गदर्शन में संस्था गठित हुई, जिसमें

देश-विदेश तक पहुँची पहचान

आचार्य गोस्वामी को परियोजना अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। मधुरा-वृन्दावन विकास प्राधिकरण के सहयोग से योजनाबद्ध तरीके से सफाई कार्य आरंभ किया गया। श्रीबाँकेबिहारी मंदिर परिसर से शुरू हुई व्यवस्था में सबसे पहले आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ बनाया गया। दुकानदारों की भागीदारी से कूड़ा प्रबंधन की व्यवस्था विकसित की गई तथा नियमित सफाई के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति की गई। प्रारंभिक सफलता के बाद यह पहल राधावल्लभ, राधारमण मंदिर क्षेत्र और पंचकोसीय परिक्रमा मार्ग तक फैल गई। आज यह अभियान ब्रज क्षेत्र से आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता जागरूकता का मजबूत आधार बन चुका है। इसके प्रभाव से केंद्र और राज्य सरकारें भी सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू कर रही हैं।

सड़क पर लड़ते दो सांड़ों से लोगों में मचा हड़कंप

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया के सादाबाद रोड पर उस समय भगदड़ मच गई जब दो आवारा सांड़ एक दूसरे से भिड़ गए। सांड़ों के इस तरह सड़क पर लड़ने के दौरान सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लाइन लग गई। स्थानीय दुकानदार भी इसे देख परेशान थे। काफी देर बाद स्थानीय लोगों ने लड़ते दोनों सांड़ो को काफी मशक्कत के बाद वहां से भगाया। राया के सादाबाद रोड पर आज बाजार में घूमने वाले दो आवारा सांड़ एक दूसरे से सड़क पर भिड़ गए। दोनों सांड़ों के बीच हुई लड़ाई के चलते वहां से किसी भी व्यक्ति ने गुजरने की हिम्मत नहीं की। इसके चलते सड़क पर दोनों ओर का ट्रैफिक रुक गया और वाहनों की लाइन लग गई। यही नहीं लड़ते सांड़ों के चक्कर में सड़क

बाजार में काफी देर तक ट्रैफिक रहा बाधित

लोगों ने लड़ते सांड़ों को किसी तरह भगाया

पर चलने वाले लोगों और दुकानदारों में भगदड़ मच गई। सड़क किनारे खड़ी बाइक आदि भी साड़ों की लड़ाई में गिर गई। काफी देर बाद भी जब साड़ों ने लड़ना बंद नहीं किया तो कुछ लोगों ने लाठियों से डराकर लड़ते दोनों सांड़ों को किसी तरह से वहां से भगाया। इसके बाद ही लोग इस मार्ग से गुजर सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार में आए दिन यहां सड़क पर आवारा साड़ों की लड़ाई होती रहती है, जिससे लोग चपेट में आकर घायल तक हो जाते हैं।

॥ भावपूर्ण स्मरण ॥

(स्व.) श्री विष्णु चौबे { 08.07.1931 — 16.03.2017 } | (स्व.) श्रीमती उमा देवी { 10.03.1938 — 27.03.2006 }

ययोः कृपया वयं जाताः, संस्कारैः पूरितं जीवनम्।
तयोः पुण्यतिथौ अद्य, नमनं कृतं सादरम्॥

अर्थः जिनकी कृपा से हमें जीवन मिला और जिनके संस्कारों ने हमें संवार दिया, उनकी स्मृति में हम सभी परिजन उन्हें आदरपूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धानवत्

(पुत्र/पुत्रवधु)

ब्रह्मानंद चतुर्वेदी-रति | पवन चतुर्वेदी-अलका
महावीर चतुर्वेदी-साधना | विजय चतुर्वेदी-गिरिजा

मधु-गोपाल पाठक (पुत्री)
एवं समस्त "ब्रज बिहार" परिवार

प्रतिष्ठान

- ब्रज बिहार बस सर्विस
- ब्रज बिहार सेल्स
- चतुर्वेदी ओटो मोबाइल्स
- राधेश्याम आश्रम
- उमा मोटर्स
- ब्रज हीरो
- विस्टा आर्किटेक्ट्स
- होटल ब्रज बिहार

BrijBihar Group
Automobiles & Hospitality...

गोकुल में निकली भव्य शोभायात्रा, भक्तिमय हुआ वातावरण

शोभायात्रा में शामिल पदाधिकारी।

यूनिक समय, गोकुल। गोकुल ब्राह्मण तीर्थ पुरोहित समिति के तत्वावधान में यमुना छठ पर्व के अवसर पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा गणेश मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई श्री ठकुरानी घाट पर सम्पन्न हुई। यात्रा के दौरान मातृशक्ति पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर चल रही थीं, जिससे धार्मिक वातावरण और अधिक आकर्षक हो उठा। रथ पर सुसज्जित श्री यमुना महारानी की सुंदर झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रही। बैंड और शहनाई की मधुर धुनों ने पूरे मार्ग को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में संचालन समिति अध्यक्ष जय कुमार, पवन सरदार, जगमोहन गौड़, लव जोशी, पृथ्वी सरदार, तुषार शर्मा, पंकज बाबा महाराज, अमित भारद्वाज, नटवर गोपाल, मुकेश शर्मा सहित अनेक तीर्थ पुरोहित और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राम नवमी पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा, तैयारियां पूरी

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव राम नवमी के पावन अवसर पर श्रीराम जन्म महोत्सव समिति द्वारा शहर में भव्य श्रीराम शोभायात्रा निकाली जाएगी। आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सरस्वती स्थित एक स्थानीय होटल में आयोजित बैठक में मेला संयोजक कन्हैया लाल अग्रवाल ने बताया कि 27 मार्च को प्रातः 10 बजे घीया मंडी स्थित प्राचीन श्री रामचंद मंदिर में भगवान श्रीराम के श्रीविग्रह का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत महाभिषेक किया जाएगा। इसके बाद सायं 4 बजे भव्य शोभायात्रा नगर भ्रमण के लिए रवाना होगी। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा में आकर्षक एवं कलात्मक झांकियां, काली अखाड़े, ढोल-नगाड़े और बैण्ड-बाजे के साथ निकाली जाएगी। समिति के अध्यक्ष राजेंद्र बंसल ने बताया कि प्रभु श्रीराम रजत महल रूपी रथ में रजत सिंहासन पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। यह शोभायात्रा प्राचीन श्री रामचंद मंदिर से शुरू होकर घीया मंडी, चौक चौराहा, डोरी बाजार, स्वामी घाट, छत्ता बाजार, होली गेट और कोतवाली रोड होते हुए पुनः मंदिर परिसर में समाप्त होगी। समिति के प्रवक्ता श्याम शर्मा ने बताया कि शोभायात्रा मार्ग को तोरण द्वारों से सजाया गया है। विभिन्न व्यापारिक समितियों और सामाजिक संस्थाओं द्वारा जगह-जगह पुष्पवर्षा और आरती के माध्यम से शोभायात्रा का स्वागत किया जाएगा। इस अवसर पर योगेश आवा, हेमंत चतुर्वेदी, मनु ऋषि त्रिवेदी, नितिन चतुर्वेदी, रामदास चतुर्वेदी, डॉ. जमुना शर्मा, रुचि द्विवेदी, रुचि शर्मा, प्रीति मुरारी लाल, हर्षित

राम नवमी पर शुक्रवार को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

यूनिक समय, मथुरा। श्रीरामलीला सभा के तत्वावधान में प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव राम नवमी के अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से चित्रकूट से निकाली जाएगी। सभापति जयन्ती प्रसाद अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि चित्रकूट पर रामजी के श्रीविग्रह का पंचामृत महाभिषेक वैदिक रीति से किया जाएगा। सायं 5 बजे विभिन्न कलात्मक झाँकियों, काली अखाड़ों व ढोल नगाड़ों व बैण्ड बाजों से सुसज्जित भव्य शोभायात्रा निकाली जायेंगी। महामंत्री मूलचन्द गर्ग ने बताया कि रजत महल रूपी रथ में रजत सिंहासन पर विराजमान होकर प्रभु शोभायात्रा में भक्तों को दर्शन देंगे। शोभायात्रा चित्रकूट से प्रारम्भ होकर मसानी चैराहा, कच्ची सड़क, गुड़हाई बाजार, चौक बाजार, स्वामी घाट, छत्ता बाजार, होली गेट, कोतवाली रोड़ होती हुयी भरतपुर गेट स्थित अग्रवाल अतिथि भवन पर सम्पन्न होगी। जुलूसमंत्री विनोद सर्राफ ने बताया कि शोभायात्रा मार्ग में तोरण द्वार सजायें गए हैं।

अग्रवाल, अतुल अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मथुरा में 28 मार्च को लगेगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य संरक्षण को लेकर समाज कल्याण विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत 28 मार्च को वृन्दावन स्थित सोसैया हॉस्पिटल (मायावती हॉस्पिटल) में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक संचालित होगा। इस शिविर में विशेष रूप से मोतियाबिंद के निःशुल्क ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही डिमेंशिया (भूलने की बीमारी) से पीड़ित मरीजों की पहचान एवं उपचार की व्यवस्था भी की जाएगी। शिविर में गैर संचारी रोगों की जांच के तहत बीपी, शुगर, कैल्शियम एवं अर्थराइटिस जैसी बीमारियों की निःशुल्क जांच और दवा वितरण भी किया जाएगा। इस

मोतियाबिंद ऑपरेशन से लेकर डिमेंशिया जांच तक की सुविधा

कार्यक्रम का संचालन कल्याण करोति संस्था के सहयोग से किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों को लाभ पहुंचाया जा सके। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने स्वास्थ्य की जांच अवश्य कराएं।

शिविर में भाग लेने के लिए इच्छुक व्यक्तियों को आधार कार्ड, मोबाइल नंबर तथा पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा। प्रशासन का उद्देश्य है कि इस तरह के आयोजनों के माध्यम से बुजुर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और उन्हें समय रहते उपचार मिल सके।

अवैध गांजे के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 650 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के पास बने खोखे के समीप से युवक सचिन निवासी कुंडोल थाना डौकी जनपद आगरा, हाल निवासी शमशान वाली गली बिशन बसेरा थाना गोविंदनगर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 650 ग्राम गांजा बरामद किया है।

उम्र के साथ बदलती यूरोलॉजिकल हेल्थ का सच

कब क्या संकेत देता है शरीर, पहचानें

यूनिक समय, नई दिल्ली। यूरोलॉजिकल हेल्थ यानी किडनी, ब्लैडर, प्रोस्टेट और यूरिन से जुड़ी सेहत अक्सर नजरअंदाज कर दी जाती है। लेकिन बदलती लाइफस्टाइल, कम पानी पीने की आदत, जंक फूड और बढ़ती बीमारियों के कारण ये समस्याएं कम उम्र में ही शुरू हो रही हैं। उम्र के हर पड़ाव पर शरीर अलग संकेत देता है, जिन्हें समझना बेहद जरूरी है।

30 की उम्र को सुरक्षित माना जाता है, लेकिन यही समय भविष्य की सेहत तय करता है। कम पानी पीना, ज्यादा नमक और प्रोटीन लेना, और एक्सरसाइज की कमी किडनी स्टोन का कारण बन सकती है। महिलाओं में यूरिन इन्फेक्शन (यूटीआई) आम होता है, जबकि पुरुषों में लंबे समय तक बैठने या संक्रमण के कारण हल्की प्रोस्टेट या टेस्टिकल समस्याएं दिख सकती हैं। डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर की शुरुआत भी इसी उम्र में हो सकती है, जो किडनी पर असर डालती है। इस उम्र में पुरुषों में प्रोस्टेट का आकार बढ़ना (बीपीएच) शुरू हो सकता है। इसके कारण बार-बार पेशाब आना, रात में उठना और अचानक यूरिन की जरूरत महसूस होना जैसे लक्षण दिखते हैं। इरेक्टाइल डिसफंक्शन भी सामने आ सकता है, जो आंतरिक स्वास्थ्य का संकेत है। महिलाओं में हार्मोनल बदलाव के कारण ब्लैडर कंट्रोल कम होना, यूरिन लीक होना और बार-बार इन्फेक्शन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। 50 की उम्र के बाद प्रोस्टेट से जुड़ी गंभीर समस्याएं, जैसे प्रोस्टेट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

किडनी की कार्यक्षमता भी कम होने लगती है और क्रॉनिक किडनी डिजीज का जोखिम बढ़ता है। ब्लैडर कंट्रोल की समस्या और बार-बार यूरिन जाना आम हो सकता है। हर उम्र में नियमित जांच, संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और एक्टिव लाइफस्टाइल बेहद जरूरी है। समय पर लक्षण पहचानकर डॉक्टर से सलाह लेने से बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है।

इंडक्शन चूल्हे पर भी बनाएं मुलायम और फूली रोटी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में गैस की समस्या के कारण कई लोग इंडक्शन चूल्हे का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, रोटी बनाने को लेकर लोगों में अक्सर यह धारणा रहती है कि इंडक्शन पर रोटियां सख्त बनती हैं। लेकिन सही तरीका अपनाया जाए तो इंडक्शन पर भी गैस जैसी मुलायम और फूली रोटी बनाई जा सकती है।

सबसे पहले आटा सही तरीके से गूंथना जरूरी है। आटा थोड़ा नरम रखें और गूंथने के बाद उसे 10-15 मिनट तक ढककर रखें, ताकि वह अच्छे से सेट हो जाए। इससे रोटी बेलना आसान होता है और रोटी नरम बनती है। रोटी बनाने से पहले तवे को इंडक्शन पर अच्छी तरह गर्म करें। ध्यान रखें कि तवा न ज्यादा ठंडा हो और न ही बहुत ज्यादा गर्म। जब तवा सही तापमान पर हो, तब रोटी डालें। कुछ सेकंड बाद पलटें और दूसरी तरफ हल्के भूरे निशान आने पर फिर पलट दें। रोटी खुद फूल सकती है, नहीं तो हल्के से दबाकर फुलाया जा सकता है। इंडक्शन पर रोटी बनाते समय मध्यम तापमान रखना सबसे बेहतर होता है। ज्यादा तेज आंच पर रोटी जल सकती है और अंदर से कच्ची रह सकती है। सही तकनीक अपनाकर इंडक्शन पर भी स्वादिष्ट और नरम रोटियां आसानी से बनाई जा सकती हैं।

मुलैठी से पाएं नेचुरल ग्लो: स्किन के लिए पांच असरदार तरीके

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुलैठी आयुर्वेद में लंबे समय से स्किन केयर के लिए इस्तेमाल की जाती रही है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट और स्किन-रिपेयरिंग गुण त्वचा को साफ, चमकदार और हेल्दी बनाने में मदद करते हैं। नियमित उपयोग से पिगमेंटेशन, दाग-धब्बे और मुंहासे कम हो सकते हैं। सबसे आसान तरीका है मुलैठी फेस पैक। एक चम्मच मुलैठी पाउडर में गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाएं और 15 मिनट तक चेहरे पर लगाकर धो लें। इससे त्वचा तुरंत फ्रेश और ग्लोइंग दिखती है। डार्क स्पॉट्स के लिए मुलैठी और शहद का मिश्रण फायदेमंद है, जो दाग हल्के करने में मदद करता है।

अगर आप स्किन टोन सुधारना चाहते हैं, तो मुलैठी को कच्चे दूध के साथ मिलाकर लगाएं। यह त्वचा को पोषण देता है और रंगत निखारता है। वहीं, मुंहासों और रेडनेस के लिए मुलैठी में एलोवेरा जेल मिलाकर उपयोग करें। आप मुलैठी का टोनर भी बना सकते हैं। इसे पानी में उबालकर ठंडा करें और चेहरे पर लगाएं, जिससे त्वचा टाइट और ताजा महसूस होती है। ध्यान रखें, सप्ताह में 2-3 बार ही उपयोग करें और पहले पैच टेस्ट जरूर करें, खासकर संवेदनशील त्वचा वाले।

हल्दी वाला दूध : फायदे और सावधानियां

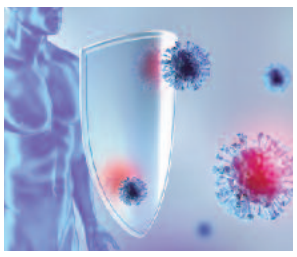

यूनिक समय, नई दिल्ली। हल्दी वाला दूध, जिसे "गोल्डन मिल्क" भी कहा जाता है, भारतीय घरों में एक पारंपरिक स्वास्थ्य पेय है। इसमें मौजूद करक्यूमिन एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल तत्व है, जो शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है। खासकर मौसम बदलने पर यह सर्दी-जुकाम से बचाव में लाभकारी माना जाता है। इसके अलावा, यह गले की खराश, खांसी और बलगम में राहत देता है तथा शरीर में सूजन और जोड़ों के दर्द को कम करने में सहायक होता है। वर्कआउट या चोट के बाद रिकवरी के लिए भी इसका सेवन फायदेमंद हो सकता है।

हालांकि, हल्दी वाला दूध हर किसी के लिए सुरक्षित नहीं है। जिन लोगों को गैस, एसिडिटी या अपच की समस्या रहती है, उनके लिए यह परेशानी बढ़ा सकता है। इसके अलावा, जो लोग खून पतला करने वाली दवाइयां लेते हैं, उन्हें इसका सेवन सावधानी से करना चाहिए क्योंकि हल्दी ब्लड को और पतला कर सकती है। डायबिटीज के मरीजों में यह ब्लड शुगर को जरूरत से ज्यादा कम कर सकता है। किडनी स्टोन से पीड़ित लोगों को भी इसका अधिक सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि हल्दी में ऑक्सलेट होता है। गर्भवती महिलाओं को भी बिना डॉक्टर की सलाह के इसे लेने से बचना चाहिए। इसलिए, हल्दी वाला दूध फायदेमंद जरूर है, लेकिन इसे अपनी स्थिति के अनुसार और विशेषज्ञ की सलाह से ही लेना बेहतर होता है।

पपीते के छिलके से बनाएं शक्तिशाली ऑर्गेनिक खाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। पपीता खाने के बाद उसके छिलकों को फेंकना आम बात है, लेकिन यह आपके पौधों के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। गार्डनिंग एक्सपर्ट के अनुसार, पपीते के छिलकों में पोटेशियम और कैल्शियम जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो पौधों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं और उनकी तेजी से ग्रोथ में मदद करते हैं।

फर्टिलाइजर बनाने के लिए सबसे पहले पपीते के छिलकों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद इन्हें एक बर्तन में डालकर पानी मिलाएं और ढककर 3-4 दिन के लिए रख दें। इस दौरान छिलके पानी में गलकर अपने पोषक तत्व छोड़ देंगे। जब मिश्रण हल्का खट्टा और गाढ़ा दिखने लगे, तो इसे छान लें। अब इस तैयार लिक्विड को पानी में मिलाकर (1:5 के अनुपात में) पौधों में डालें। इसे सीधे जड़ों में देना सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है।

अप्रैल में घूमने के लिए बेहतरीन जगहें

यूनिक समय, नई दिल्ली। अप्रैल का महीना भारत में यात्रा के लिए सबसे अनुकूल समयों में से एक माना जाता है। इस दौरान मौसम न ज्यादा ठंडा होता है और न ही तेज गर्मी पड़ती है, जिससे घूमने का अनुभव बेहद सुखद बन जाता है। चारों ओर हरियाली, खिले हुए फूल, साफ आसमान और हल्की ठंडी हवाएं किसी भी ट्रिप को यादगार बना देती हैं। यदि आप परिवार, दोस्तों या पार्टनर के साथ छुट्टियों की योजना बना रहे हैं, तो भारत में कई ऐसी शानदार जगहें हैं जो अप्रैल में घूमने के लिए परफेक्ट हैं।

सबसे पहले बात करें उदयपुर की, जिसे 'झीलों का शहर' कहा जाता है। यह शहर अपनी खूबसूरत झीलों जैसे पिछोला झील और फतेहसागर झील, भव्य महलों और समृद्ध राजस्थानी संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। अप्रैल में यहां का मौसम काफी सुहावना रहता है, जिससे पर्यटक आराम से बोटिंग, सिटी पैलेस की सैर और लोक कला का आनंद ले सकते हैं। शाम के समय झील किनारे का दृश्य बेहद रोमांटिक और सुकून देने वाला होता है। अगर आप भीड़-भाड़ से दूर शांति और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहते हैं, तो कौसानी एक बेहतरीन विकल्प है। यह छोटा-सा हिल स्टेशन हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों के शानदार दृश्य के लिए जाना जाता है। अप्रैल में यहां का मौसम साफ और ठंडा रहता है, जिससे सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा बेहद मनमोहक दिखाई देता है। इसके अलावा, यहां के चाय बागान, हरियाली और शांत वातावरण इसे प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफरों के लिए आदर्श बनाते हैं। समुद्र किनारे छुट्टियां बिताने का प्लान है, तो गोवा से बेहतर विकल्प शायद ही कोई हो। अप्रैल में यहां का मौसम हल्का गर्म लेकिन आनंददायक होता है। आप यहां सुंदर बीच पर समय बिता सकते हैं, वाटर स्पोर्ट्स जैसे पैरासेलिंग और जेट स्की का मजा ले सकते हैं, साथ ही बीच पार्टियों और नाइटलाइफ का भी आनंद उठा सकते हैं। गोवा की पुर्तगाली शैली की वास्तुकला और स्वादिष्ट सीफूड भी पर्यटकों को खासा आकर्षित करता है।

वहीं कश्मीर को 'धरती का स्वर्ग' कहा जाता है और अप्रैल में इसकी खूबसूरती अपने चरम पर होती है। इस समय यहां ट्यूलिप गार्डन रंग-बिरंगे फूलों से भर जाते हैं और मौसम बेहद सुहावना रहता है। डल झील में शिकारा की सवारी, बर्फ से ढकी पहाड़ियों का नजारा और हरी-भरी वादियां हर किसी का मन मोह लेती हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों और रोमांच के शौकीनों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है। अंत में दार्जिलिंग का नाम आता है, जो अपने खूबसूरत चाय बागानों और ठंडी जलवायु के लिए प्रसिद्ध है।

अप्रैल में यहां का मौसम बेहद सुहावना होता है, जो घूमने के लिए आदर्श है। दार्जिलिंग की टॉय ट्रेन की सवारी, कंचनजंगा की बर्फीली चोटियों का दृश्य और शांत वातावरण इस जगह को खास बनाते हैं। यहां की प्राकृतिक सुंदरता और सुकून भरा माहौल हर पर्यटक को आकर्षित करता है। कुल मिलाकर, अप्रैल में भारत की ये सभी जगहें अलग-अलग अनुभव प्रदान करती हैं। चाहे आप पहाड़ों की ठंडक चाहते हों, समुद्र की लहरों का आनंद लेना चाहते हों या सांस्कृतिक धरोहरों को करीब से देखना चाहते हों, ये डेस्टिनेशन आपकी यात्रा को यादगार बना सकते हैं। सही योजना और मौसम का ध्यान रखते हुए आप अपनी छुट्टियों को और भी खास बना सकते हैं।

रवा से बनाएं स्वादिष्ट और हेल्दी डिश हर मौके के लिए परफेक्ट विकल्प

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय रसोई में रवा यानी सूजी एक बेहद उपयोगी और पौष्टिक सामग्री मानी जाती है। इससे कम समय में कई तरह की स्वादिष्ट और हेल्दी डिश तैयार की जा सकती हैं। खास बात यह है कि रवा से मीठे और नमकीन दोनों प्रकार के व्यंजन आसानी से बनाए जा सकते हैं। नाश्ते में रवा से बनने वाला उपमा काफी लोकप्रिय है, जिसे सब्जियों और मसालों के साथ हेल्दी बनाया जाता है। वहीं रवा इडली हल्की और सॉफ्ट होती है, जो नारियल की चटनी के साथ बेहद स्वादिष्ट लगती है। इसके अलावा रवा डोसा और सूजी चीला भी अच्छे विकल्प हैं। मीठे व्यंजनों में सूजी का हलवा सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है, खासकर त्योहारों में। इसके अलावा रवा केक, सूजी लड्डू और सूजी पैनकेक भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। रवा में मौजूद कार्बोहाइड्रेट शरीर को तुरंत ऊर्जा देते हैं, जिससे यह नाश्ते के लिए बेहतरीन विकल्प बन जाता है। कुल मिलाकर, रवा एक ऐसी सामग्री है जिससे आप रोजाना नई और स्वादिष्ट डिश बनाकर परिवार को खुश कर सकते हैं।

सुविचार

भुला दो बीता हुआ कल, दिल में बसाओ आने वाला कल, हंसो और हंसाओ, चाहे जो भी हो पल, खुशियाँ लेकर आएगा आने वाला कल

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	11:49-10:07 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष	
नक्षत्र	पुनर्वसु	4:19- 03:24 तक	माह	चैत्र	
सूर्योदय		6:27 AM	चन्द्रोदय	12:14 AM	
सूर्यास्त		6:36 PM	चंद्रास्त	02:26 AM	
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र	मिथुन राशि	
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	05:01-06:05	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		02:03 PM:03:34 PM	वार	शुक्रवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

बेटी सिर्फ संतान नहीं, सौभाग्य की पहचान क्यों?

घर में बेटी के कदम पड़ने से आती है खुशहाली

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय परंपरा में बेटी के जन्म को बेहद शुभ माना जाता है। अक्सर कहा जाता है कि बेटी घर में लक्ष्मी के रूप में आती है और उसके जन्म के बाद परिवार में खुशहाली बढ़ती है। यह मान्यता सिर्फ आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि ज्योतिष और शास्त्रों से भी जुड़ी हुई मानी जाती है। गरुड़ पुराण समेत कई ग्रंथों में बेटी को सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का प्रतीक बताया गया है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब किसी घर में बेटी का जन्म होता है, तो उसकी कुंडली के ग्रह-नक्षत्र परिवार के भाग्य से जुड़ जाते हैं। यदि उसकी कुंडली में चंद्रमा, शुक्र और गुरु जैसे ग्रह मजबूत स्थिति में हों, तो यह परिवार के लिए सुख, शांति और आर्थिक उन्नति का संकेत माना जाता है। चंद्रमा मानसिक संतुलन और शांति का प्रतीक है, जबकि शुक्र वैभव और सुख-सुविधाओं का कारक माना जाता है। वहीं गुरु ग्रह को ज्ञान और भाग्य का प्रतीक माना जाता है। शास्त्रों में यह भी उल्लेख मिलता है कि बेटी के आने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उसका स्वभाव, संवेदनशीलता और अपनापन परिवार के रिश्तों को मजबूत बनाता है। यही कारण है कि पुराने समय से ही यह कहा जाता रहा है कि "बेटी के आने से घर बसता है।"हालांकि, यह जरूरी नहीं कि हर बेटी के जन्म के साथ तुरंत बड़ा बदलाव दिखाई दे। कई बार यह परिवर्तन धीरे-धीरे आता है। असल में, यह परिवार के वातावरण, सोच और बेटी को मिलने वाले अवसरों पर भी निर्भर करता है।

आज के समय में भी अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं, जहां बेटियां शिक्षा, नौकरी और व्यवसाय के माध्यम से अपने परिवार की स्थिति बदल रही हैं। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि बेटी सिर्फ सौभाग्य का प्रतीक ही नहीं, बल्कि मेहनत और क्षमता के दम पर परिवार की असली ताकत भी बनती है।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 1 अप्रैल, दिन बुधवार: चैत्र पूर्णिमा
- 5 अप्रैल, दिन रविवार: विकट संकष्टी
- 13 अप्रैल, दिन सोमवार: वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवार: बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवार: बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्रवार: दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवार: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवार: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवार: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवार: भौम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

मेष राशि: बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है।

वृषभ राशि: धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मिथुन राशि : वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें।

कर्क राशि : वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा।

सिंह राशि : स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा।

कन्या राशि: कल चंद्रमा आपके चौथे भाव में हैं, जिससे आपका झुकाव परिवार और सुख-सुविधाओं की ओर अधिक रहेगा। छठे भाव में ग्रहों का जमावड़ा काम के बोझ को बढ़ा सकता है, लेकिन आप अपनी चतुराई से सब संभाल लेंगे।

तुला राशि: किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी।

वृश्चिक राशि : आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

धनु राशि: जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। विवाद न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

मकर राशि: कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

कुंभ राशि : आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी।

मीन राशि : यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा।

गुरुवार के दिन करें तुलसी पूजा, दूर होगी आर्थिक तंगी

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है। इस दिन विधि-विधान से पूजा करने पर सुख-समृद्धि और धन की प्राप्ति होती है। साथ ही तुलसी माता की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि जिस घर में तुलसी पूजन होता है, वहां मां लक्ष्मी का वास बना रहता है।

गुरुवार के दिन तुलसी पूजा के समय दो विशेष वस्तुएं अर्पित करना शुभ माना जाता है-7 हल्दी की गांठ और लाल चुनरी। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इन चीजों को चढ़ाने से तुलसी माता प्रसन्न होती हैं और घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है। यह उपाय आर्थिक तंगी को दूर करने में सहायक माना जाता है। गुरुवार के दिन सुबह स्नान करके भगवान विष्णु की पूजा करें और केले के वृक्ष की भी पूजा करना लाभकारी होता है। शाम के समय तुलसी के पास घी का दीपक जलाएं और "ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं लक्ष्मी नारायणाय नमः" मंत्र का 108 बार जाप करें। इसके अलावा, शाम को तुलसी के पास 5 या 7 पीली कौड़ियां रख दें और अगले दिन उन्हें निकालकर लाल या पीले कपड़े में बांधकर धन रखने के स्थान पर रख दें। मान्यता है कि इस उपाय से आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं और व्यापार में वृद्धि होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तुलसी को भगवान विष्णु की प्रिय माना जाता है, इसलिए इसे "हरिप्रिया" कहा जाता है। तुलसी पूजन से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मकता दूर होती है। गुरुवार के दिन तुलसी माता की पूजा और ये सरल उपाय अपनाने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। श्रद्धा और नियमपूर्वक किए गए ये उपाय आर्थिक तंगी को दूर करने में सहायक माने जाते हैं।

सूर्य–मंगल की युति से बनेगा कुबेर योग, मेष से तुला तक चमकेगा भाग्य

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों के गोचर और उनकी युति से कई शुभ योग बनते हैं, जो व्यक्ति के जीवन पर गहरा प्रभाव डालते हैं। वर्ष 2026 में 14 अप्रैल को सूर्य का मेष राशि में गोचर होने जा रहा है। इसी समय मंगल का मेष राशि में गोचर भी रहेगा। सूर्य और मंगल की यह युति एक विशेष और शक्तिशाली योग-कुबेर योग-का निर्माण करेगी। इस योग को धन, समृद्धि और सफलता प्रदान करने वाला माना जाता है।

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार कुबेर योग एक अत्यंत शुभ और प्रभावशाली योग होता है। इसे धन के देवता कुबेर से जोड़ा जाता है। जिस व्यक्ति की कुंडली में यह योग बनता है, उसे जीवन में धन-धान्य, सुख-सुविधाएं और अचानक आर्थिक लाभ प्राप्त होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे लोगों पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा बनी रहती है।

मेष राशि के जातकों के लिए यह कुबेर योग अत्यंत शुभ साबित होगा। सूर्य और मंगल की युति उनकी ही राशि में बन रही है, जिससे आत्मविश्वास और साहस में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आय के नए स्त्रोत बनेंगे।

जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। सिंह राशि के लोगों के लिए यह समय आर्थिक दृष्टि से बहुत लाभकारी रहेगा। आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं। जो लोग लंबे समय से यात्रा या तीर्थ करने की योजना बना रहे हैं, उनका सपना पूरा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलेंगे और वातावरण भी अनुकूल रहेगा। धनु राशि के जातकों के लिए यह योग आर्थिक सुधार लेकर आएगा। व्यापार में लाभ के संकेत हैं और पुराने नुकसान की भरपाई हो सकती है। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा और जीवन में स्थिरता आएगी।

तुला राशि के लोगों के लिए कुबेर योग सौभाग्य के द्वार खोल सकता है। कार्यक्षेत्र में आने वाली बाधाएं दूर होंगी और नए अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी और वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। नए संपर्क भी लाभदायक साबित हो सकते हैं। कुबेर योग को ज्योतिष में अत्यंत शुभ और धनदायक माना गया है। 14 अप्रैल 2026 से बनने वाला यह योग विशेष रूप से मेष, सिंह, धनु और तुला राशि के जातकों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। इस दौरान सही प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ किए गए कार्य सफलता और समृद्धि की ओर ले जाएंगे।

सम्पादकीय

जेलें भरीं, न्याय खाली व्यवस्था का अजब खेल

देश की न्याय व्यवस्था का हाल कुछ ऐसा हो गया है कि अदालतों में न्याय ढूंढना और जेलों में जगह ढूंढना–दोनों ही मुश्किल होते जा रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि अदालतों में फाइलों का अंबार है और जेलों में इंसानों का। सवाल यह नहीं कि अपराध बढ़ गए हैं, बल्कि यह है कि क्या हर बंद व्यक्ति सच में अपराधी है?

आंकड़े बताते हैं कि देश की जेलों में बंद कैदियों में 70 से 80 प्रतिशत तक लोग विचाराधीन हैं। यानी जिनका अपराध अभी साबित भी नहीं हुआ, वे सजा पहले ही भुगत रहे हैं। कुछ तो ऐसे हैं जिन पर जमानती अपराध हैं, जिन्हें कानून के अनुसार आसानी से जमानत मिलनी चाहिए थी। लेकिन हमारी व्यवस्था शायद 'पहले जेल, फिर बेल' के सिद्धांत पर चल रही है।

पवन गौतम
संपादक

कानून की किताबों में सब कुछ बहुत साफ लिखा है–पुरानी दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 436 हो या नई व्यवस्था की धारा 478, दोनों ही ऐसे मामलों में राहत का रास्ता दिखाती हैं। मगर समस्या यह है कि ये धाराएं किताबों में ज्यादा सक्रिय हैं, अदालतों में कम। नतीजा यह कि कई लोग सालों तक बिना सुनवाई के जेलों में पड़े रहते हैं, जैसे न्याय का इंतजार नहीं, बल्कि उसकी सजा काट रहे हों। स्थिति इतनी विचित्र है कि कई कैदियों के खिलाफ चालान तक पेश नहीं हुआ, लेकिन वे जेल में 'स्थायी अतिथि' बन चुके हैं। अगर जेलों में भी 'लॉयल्टी कार्ड' मिलता, तो शायद इन्हें प्रीमियम सदस्यता मिल चुकी होती। बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में यह समस्या और गंभीर है, जहां विचाराधीन कैदियों की संख्या 75 प्रतिशत से भी अधिक है। इस पूरे परिदृश्य पर जब न्यायपालिका के शीर्ष स्तर से चिंता जताई जाती है, तो यह सिर्फ एक टिप्पणी नहीं, बल्कि एक चेतावनी होती है। अदालतों में मुकदमों का ढेर, छोटी–छोटी बातों पर केस दर्ज करने की प्रवृत्ति और जमानत देने में हिचक–ये सब मिलकर एक ऐसी व्यवस्था बना रहे हैं, जहां न्याय की गति कछुए से भी धीमी हो गई है। फास्ट ट्रैक कोर्ट, विधिक सहायता समितियां और कई सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं, लेकिन उनकी गति भी शायद उसी सिस्टम में फंस गई है, जिसे सुधारने के लिए वे बनाए गए थे। आम नागरिक के लिए यह स्थिति न केवल निराशाजनक है, बल्कि भयावह भी है, क्योंकि कोई भी व्यक्ति इस जाल में फंस सकता है। आखिरकार सवाल यही है कि क्या हम न्याय दे रहे हैं या सिर्फ प्रक्रिया निभा रहे हैं? अगर जेलें भरती रहीं और अदालतें खाली होती रहीं, तो यह केवल व्यवस्था की विडंबना नहीं, बल्कि लोकतंत्र के लिए एक गंभीर संकेत होगा।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

जासूसी फिल्मों का बदलता नैरेटिव और भारत की नई पहचान

बोध प्रकाश सगुणी

सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहा, बल्कि यह अब विचारों, भावनाओं और वैश्विक धारणा को प्रभावित करने वाला एक शक्तिशाली उपकरण बन चुका है। खासकर जासूसी फिल्मों की बात करें तो ये लंबे समय से किसी देश की शक्ति, उसकी बुद्धिमत्ता और उसके वैश्विक प्रभाव को प्रस्तुत करने का माध्यम रही हैं। हाल के वर्षों में भारतीय सिनेमा में भी इस दिशा में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां अब काल्पनिक कहानियों के बजाय वास्तविक घटनाओं और गुमनाम नायकों की कहानियों को सामने लाया जा रहा है।

पश्चिमी देशों ने दशकों तक जासूसी और सुपरहीरो फिल्मों के जरिए एक ऐसा नैरेटिव तैयार किया, जिसमें वे खुद को दुनिया के रक्षक और न्याय के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करते रहे। इन कहानियों में जासूस न केवल अपराधियों को पकड़ते थे, बल्कि वैश्विक संकटों को भी टालते नजर आते थे। इससे दर्शकों के मन में यह धारणा बनी कि कुछ देश ही विश्व के असली संरक्षक हैं। यह सिनेमा की सॉफ्ट पावर का एक प्रभावशाली उदाहरण था।

भारतीय सिनेमा लंबे समय तक इस दौड़ में पीछे रहा। यहां जासूसी पर आधारित फिल्में कम बनीं और जो बनीं, उनमें भी वास्तविकता की झलक सीमित रही। लेकिन अब स्थिति बदल रही है। नई पीढ़ी के फिल्मकार देश के उन अनसुने नायकों की कहानियों को सामने ला रहे हैं, जिन्होंने अपनी पहचान तक त्यागकर देश की सुरक्षा के लिए काम किया। यह बदलाव केवल कहानी कहने का नहीं, बल्कि एक नए नैरेटिव के निर्माण का संकेत है।

ऐसी फिल्मों की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वे दर्शकों को वास्तविकता के करीब ले जाती हैं। जब दर्शक यह जानते हैं कि वे जो देख रहे हैं, वह किसी हद तक सच है, तो उसका प्रभाव और गहरा होता है। यह भावनात्मक जुड़ाव दर्शकों के भीतर गर्व और सम्मान की भावना पैदा करता है। साथ ही यह उन्हें यह समझने में भी मदद करता है कि देश की सुरक्षा केवल सीमाओं पर लड़ने वाले सैनिकों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक अदृश्य दुनिया भी काम करती है।

हालांकि, जासूसी की दुनिया स्वभाव से ही गुप्त होती है। इसलिए इन कहानियों को पूरी तरह तथ्यात्मक रूप में प्रस्तुत करना संभव नहीं होता। कई बार फिल्मकारों को कल्पना का सहारा लेना पड़ता है, ताकि कहानी को प्रभावशाली बनाया जा सके। यह कोई नई बात नहीं है, क्योंकि ऐतिहासिक और बायोपिक फिल्मों में भी इसी तरह यथार्थ और कल्पना का मिश्रण देखने को मिलता है। महत्वपूर्ण यह है कि कहानी का मूल भाव और उद्देश्य सही दिशा में हो।

इन फिल्मों को लेकर एक और बहस अक्सर सामने आती है–क्या ये प्रोपेगेंडा हैं? कुछ लोग मानते हैं कि ऐसी फिल्में एक विशेष विचारधारा को बढ़ावा देती हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि हर फिल्म किसी न किसी दृष्टिकोण से बनाई जाती है। सिनेमा पूरी तरह निष्पक्ष नहीं हो सकता, क्योंकि यह मानव अनुभव और सोच का ही विस्तार है। ऐसे में किसी फिल्म को केवल इस आधार पर खारिज कर देना कि वह एक पक्ष को मजबूत दिखाती है, उचित नहीं कहा जा सकता।

इसके विपरीत, इन फिल्मों को एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। यह अवसर है अपने इतिहास, अपने नायकों और अपनी क्षमताओं को समझने का। जब भारतीय जासूसों की कहानियां सामने आती हैं, तो वे केवल रोमांच नहीं देतीं, बल्कि एक नई सोच भी पैदा करती हैं। वे यह दिखाती हैं कि भारत भी वैश्विक स्तर पर रणनीतिक और बौद्धिक रूप से सक्षम है। साथ ही, यह भी जरूरी है कि इन फिल्मों में संतुलन बना रहे। केवल एक पक्ष को महिमामंडित करना और दूसरे को पूरी तरह खलनायक के रूप में दिखाना कभी–कभी कहानी को एकांगी बना देता है। बेहतर यही है कि फिल्में वास्तविकता के जितना करीब हो सकें, उतना प्रयास करें। इससे न केवल उनकी विश्वसनीयता बढ़ेगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दर्शकों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

आज के दौर में जब सूचना और विचार तेजी से फैलते हैं, तब सिनेमा की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। यह केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक दूत बन चुका है। ऐसे में जासूसी फिल्मों के जरिए भारत अपने दृष्टिकोण को दुनिया के सामने रख सकता है। यह एक ऐसा माध्यम है, जो बिना किसी टकराव के अपनी बात प्रभावी ढंग से कह सकता है। अंततः, जासूसी पर आधारित भारतीय फिल्मों का यह नया दौर एक सकारात्मक संकेत है। यह न केवल सिनेमा के स्तर को उंचा उठा रहा है, बल्कि देश की छवि को भी मजबूत कर रहा है। अगर इस दिशा में संतुलन, शोध और संवेदनशीलता के साथ काम किया जाए, तो यह सिनेमा आने वाले समय में भारत की सॉफ्ट पावर का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन सकता है।

विचार विण्डो

डिजिटल युग में ध्यान की दौड़, नया आर्थिक खेल

राम कुमार शर्मा

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने इस वास्तविकता को बहुत पहले समझ लिया था। उनका पूरा बिजनेस मॉडल इसी पर आधारित है कि यूजर्स ज्यादा से ज्यादा समय उनके प्लेटफॉर्म पर बिताएं। जितना अधिक समय यूजर स्क्रीन पर रहेगा, उतना ही अधिक डेटा उत्पन्न होगा और उतने ही ज्यादा विज्ञापन दिखाए जा सकेंगे। यही कारण है कि आज के डिजिटल प्लेटफॉर्म्स केवल कंटेंट दिखाने का काम नहीं करते, बल्कि यूजर के व्यवहार को समझकर उसे वही दिखाते हैं, जो उसे सबसे ज्यादा आकर्षित करता है।

इस पूरी प्रक्रिया में "ध्यान" एक प्रकार की मुद्रा की तरह काम करता है। इसे कमाया जाता है, खर्च किया जाता है और निवेश भी किया जाता है। जो कंटेंट लोगों का ध्यान खींचता है, वह तेजी से वायरल होता है और उसके निर्माता को पहचान मिलती है। वहीं जो कंटेंट ध्यान आकर्षित नहीं कर पाता, वह धीरे–धीरे गायब हो जाता है। इस तरह ध्यान एक तरह से डिजिटल दुनिया में सफलता का पैमाना बन गया है।

ध्यान केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति की सामाजिक पहचान और प्रभाव का भी निर्धारण करता है। जब किसी पोस्ट पर हजारों लाइक और कमेंट आते हैं, तो यह केवल संख्या नहीं होती, बल्कि यह उस व्यक्ति की स्वीकार्यता और प्रभाव का प्रतीक बन जाती है। इसके विपरीत, जिन लोगों को पर्याप्त ध्यान नहीं मिलता, वे अक्सर खुद को नजरअंदाज महसूस करते हैं।

इसी ध्यान की ताकत ने एक नए पेशे को जन्म दिया है–कंटेंट क्रिएटर और इन्फ्लुएंसर। आज लाखों लोग सोशल मीडिया के जरिए अपना करियर बना रहे हैं। वे अपने दर्शकों के ध्यान को विज्ञापन, ब्रांड प्रमोशन, स्पॉन्सरशिप और सब्सक्रिप्शन के माध्यम से आय में बदल रहे हैं। यह एक ऐसी अर्थव्यवस्था है, जहां प्रतिभा के साथ–साथ रणनीति और निरंतरता भी उतनी ही जरूरी है।

हालांकि, इस अटेंशन इकॉनमी के कुछ गंभीर दुष्परिणाम भी सामने आए हैं। सबसे बड़ी समस्या है–गुणवत्ता का गिरना। अधिक ध्यान पाने की होड़ में कई बार कंटेंट क्रिएटर सनसनीखेज, भ्रामक या विवादास्पद सामग्री बनाने लगते हैं। क्योंकि ऐसी सामग्री जल्दी वायरल होती है और अधिक लोगों तक पहुंचती है। इससे समाज में गलत जानकारी फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

इसके अलावा, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिद्म भी इस समस्या को बढ़ाते हैं। ये एल्गोरिद्म ऐसे कंटेंट को प्राथमिकता देते हैं, जो ज्यादा समय तक यूजर को स्क्रीन पर रोके रख सके। इसका परिणाम यह होता है कि यूजर अनजाने में ही घंटों तक स्क्रॉल करता रहता है। यह आदत धीरे–धीरे लत में बदल सकती है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

ध्यान की इस दौड़ में एक और महत्वपूर्ण पहलू है–मानसिक संतुलन। लगातार नोटिफिकेशन, लाइक और कमेंट की अपेक्षा व्यक्ति को मानसिक रूप से अस्थिर कर सकती है। कई लोग अपनी पहचान को सोशल मीडिया के आंकड़ों से जोड़ने लगते हैं, जो दीर्घकाल में हानिकारक हो सकता है।

डिजिटल समुदायों के लिए यह एक बड़ी चुनौती है कि वे ध्यान आकर्षित करने के साथ–साथ गुणवत्ता और विश्वसनीयता को भी बनाए रखें। केवल ज्यादा व्यूज या लाइक पाने के लिए बनाई गई सामग्री टिकाऊ नहीं होती। दीर्घकाल में वही कंटेंट सफल होता है, जो लोगों को कुछ नया सिखाए, प्रेरित करे या उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए।

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में ध्यान का महत्व और भी बढ़ेगा। यह केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शिक्षा, व्यापार, राजनीति और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भी इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। कंपनियां और संस्थाएं इस बात पर अधिक ध्यान देंगी कि वे लोगों का ध्यान कैसे आकर्षित करें और उसे कैसे बनाए रखें।

इसके साथ ही, यूजर्स की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। उन्हें यह समझना होगा कि उनका ध्यान एक मूल्यवान संसाधन है, जिसे सोच–समझकर खर्च करना चाहिए। अनावश्यक कंटेंट पर समय बर्बाद करने के बजाय उपयोगी और ज्ञानवर्धक सामग्री को प्राथमिकता देना जरूरी है।

अंततः, डिजिटल युग में ध्यान ही असली शक्ति बन चुका है। यह न केवल लोकप्रियता और पहचान का आधार है, बल्कि आर्थिक सफलता का भी महत्वपूर्ण साधन है। लेकिन इस शक्ति का सही उपयोग तभी संभव है, जब इसे संतुलन और समझदारी के साथ अपनाया जाए। यदि हम अपने ध्यान का सही प्रबंधन करना सीख जाएं, तो यह न केवल हमारी व्यक्तिगत सफलता में सहायक होगा, बल्कि समाज को भी एक सकारात्मक दिशा में ले जा सकता है।

आरसीबी की वैल्यू 450 करोड़ से 16,500 करोड़: विजय माल्या ने जताई खुशी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इतिहास रच दिया है। इस टीम की वैल्यूएशन 450 करोड़ रुपये से बढ़कर 16,500 करोड़ रुपये से ज्यादा पहुंच गई है। यह डील न केवल आईपीएल की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है, बल्कि क्रिकेट के व्यावसायिक विस्तार का भी बड़ा उदाहरण बन गई है।

आरसीबी को एक बड़े कंसोर्टियम ने खरीदा है, जिसकी अगुआई आदित्य बिरला समूह कर रहा है। इस कंसोर्टियम में अन्य निवेशकों की भी भागीदारी बताई जा रही है। हालांकि, यह सौदा अभी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्डऔर अन्य नियामक संस्थाओं की मंजूरी के अधीन है। इस ऐतिहासिक डील के बाद टीम के पूर्व मालिक विजय माल्या ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने 2008 में आरसीबी को 450 करोड़ रुपये में खरीदा था, तब कई लोगों ने उनका मजाक उड़ाया था और इसे दिखावा बताया था। लेकिन उनका मानना था कि यह निवेश भविष्य में बड़ा ब्रांड बनेगा। अब टीम की वैल्यू में कई गुना वृद्धि देखकर उन्होंने अपनी "दीवानगी" को सही साबित बताया।

माल्या ने यह भी कहा कि आरसीबी हमेशा उनके दिल के करीब रहेगी। उन्होंने खासतौर पर उस समय को याद किया जब टीम ने युवा विराट कोहली को चुना था, जो आज दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट सितारों में शामिल हैं। उन्होंने टीम के फैंस का भी धन्यवाद किया और नए मालिकों को शुभकामनाएं दीं। यह डील सिर्फ एक टीम की बिक्री नहीं, बल्कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आर्थिक ताकत का प्रतीक है। आज आईपीएल की कुल वैल्यूएशन अरबों डॉलर तक पहुंच चुकी है, जिसमें मीडिया राइट्स, स्पॉन्सरशिप और वैश्विक फैनबेस का बड़ा योगदान है। आरसीबी पहले यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड के पास थी, जो डियाजियो की सहायक कंपनी है। अब नए निवेशकों के साथ टीम एक नई शुरुआत करने जा रही है। कुल मिलाकर, आरसीबी की यह ऐतिहासिक डील भारतीय क्रिकेट के बदलते आर्थिक परिदृश्य को दर्शाती है, जहां खेल और बिजनेस का तालमेल नई उंचाइयों को छू रहा है।

क्रिकेट के बदलते आर्थिक परिदृश्य को दर्शाती है आरसीबी की यह डील

'टोस्टर' की ओटीटी एंट्री: लंबे इंतजार के बाद रिलीज डेट का ऐलान

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा की फिल्म टोस्टर आखिरकार रिलीज के लिए तैयार है। लगभग एक साल पहले इसका ट्रेलर सामने आया था, लेकिन इसके बाद फिल्म को लेकर कोई अपडेट नहीं मिली, जिससे फैंस में काफी उत्सुकता और सवाल पैदा हो गए थे। अब इस लंबे इंतजार पर विराम लग गया है।

यह फिल्म पहले सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने घोषणा की है कि 'टोस्टर' 15 अप्रैल को स्ट्रीम होगी। इस खबर के साथ एक अनाउंसमेंट वीडियो भी जारी किया गया है, जिसने दर्शकों का उत्साह और बढ़ा दिया है। डार्क कॉमेडी जॉनर की इस फिल्म का निर्देशन विवेक दास चौधरी ने किया है। कहानी एक साधारण घरेलू उपकरण 'टोस्टर' के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक शादी टूटने के बाद अजीब और उलझी हुई घटनाओं की वजह बनता है। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे एक मामूली चीज भी जिंदगी में बड़ा उथल-पुथल मचा सकती है। फिल्म की एक और खास बात यह है कि इसे पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया है, जो उनके प्रोडक्शन करियर की शुरुआत है। मजबूत स्टार कास्ट में अर्चना पूरन सिंह अभिषेक बनर्जी और सीमा पाहवा जैसे कलाकार भी शामिल हैं, जो फिल्म को और दिलचस्प बनाते हैं।

आईपीएल 2026: बीसीसीआई ने रद्द की ओपनिंग सेरेमनी

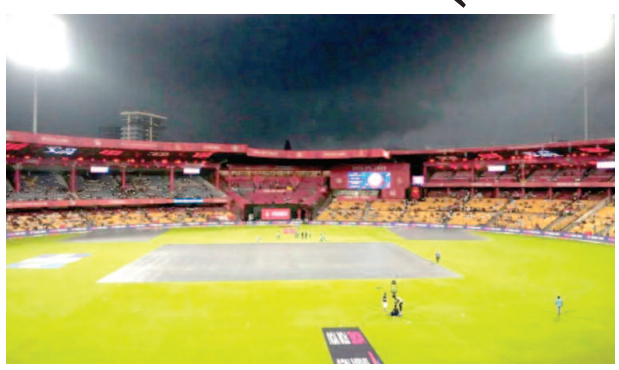

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरू होने से ठीक पहले एक बड़ा फैसला लिया गया है। बीसीसीआई ने इस बार ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन रद्द करने का निर्णय लिया है। 28 मार्च से शुरू होने वाले इस सीजन में अब पहले मैच से पहले कोई भव्य कार्यक्रम या सेलिब्रेशन नहीं होगा।

हर साल आईपीएल की शुरुआत शानदार ओपनिंग सेरेमनी के साथ होती है, जिसमें बड़े फिल्मी सितारे और सिंगर्स परफॉर्म करते हैं। लेकिन इस बार बोर्ड ने संवेदनशीलता दिखाते हुए इसे रद्द कर दिया है। इसके पीछे एक दुखद घटना को वजह बताया जा रहा है। दरअसल, पिछले साल रॉयल चैलेंजर बैंगलोर (आरसीबी) की जीत के जश्न के दौरान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी। इस हादसे में 11 लोगों की जान चली गई थी, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था और बड़े आयोजनों को लेकर कई सवाल उठे थे। इसी हादसे को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई कने इस बार ओपनिंग सेरेमनी को रद्द करने का फैसला लिया है। इसके बजाय, पहले मैच से पहले उन 11 लोगों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। जानकारी के मुताबिक मैच से पहले मौन रखा जाएगा और स्टेडियम में 11 सीटें उनकी याद में खाली छोड़ी जाएंगी। आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला बेंगलुरु में ही खेला जाएगा, जहां रॉयल चैलेंजर बैंगलोर का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। आरसीबी इस सीजन में अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी, जबकि हैदराबाद की टीम दूसरी ट्रॉफी जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगी। कुल मिलाकर, इस बार आईपीएल की शुरुआत भले ही सादगी से हो, लेकिन यह फैसला मानवीय संवेदनाओं और जिम्मेदारी का एक बड़ा उदाहरण माना जा रहा है।

इमरान खान का बयान: 'अल्फा मैन' ट्रेंड पर उठाए सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड में इन दिनों एक्शन और 'अल्फा मैन' किरदारों का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इमरान खान ने इस पर खुलकर अपनी राय रखी है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें खून से लथपथ, गुस्सैल और हिंसक किरदार निभाने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब धुरंधर 2, जानवर और कबीर सिंह जैसी फिल्मों की लोकप्रियता चर्चा में है। हालांकि इमरान ने किसी फिल्म का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया, लेकिन उनके बयान को इन फिल्मों से जोड़कर देखा जा रहा है। इमरान ने कहा कि फिल्मों में जिस तरह टॉक्सिक मर्दानगी और महिलाओं के प्रति आक्रामक व्यवहार को दिखाया जा रहा है, वह उन्हें परेशान करता है। उनके मुताबिक, इस तरह के किरदारों को ग्लोरिफाई करना समाज पर गलत असर डाल सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि मर्दानगी की सीमित परिभाषा पुरुषों के लिए भी नुकसानदायक है। असली ताकत भावनाओं को समझने और व्यक्त करने में होती है, न कि हिंसा या गुस्से में। इमरान ने यह साफ किया कि वह ऐसी कहानियों का हिस्सा नहीं बनना चाहते, जो गैर-जिम्मेदाराना संदेश देती हों। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही अधूरे हम अधूरे तुम में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ भूमि पेडनेकर भी दिखाई देंगी।

एशिया कप तीरंदाजी में भारत का शानदार प्रदर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। एशिया कप तीरंदाजी विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट में भारतीय तीरंदाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन भारत ने दो कांस्य पदक अपने नाम किए, वहीं दो टीमों ने फाइनल में जगह बनाकर कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया है।

महिला कंपाउंड टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए फाइनल में प्रवेश किया। चिकिथा तनिपार्थी, राज कौर और तेजल साल्वी की तिकड़ी ने मेजबान टीम को 229-226 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ टीम ने अपने पिछले प्रदर्शन से बेहतर करते हुए पदक का रंग सुधारने की उम्मीद जगाई है। वहीं पुरुष कंपाउंड टीम को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कांस्य पदक मुकाबले में शानदार वापसी की। रजत चौहान रिसभ यादव और उदय काम्बोज की टीम ने भूटान को 234-232 से हराकर कांस्य पदक जीता।

रिकर्व वर्ग में भारतीय पुरुष टीम ने भी दमदार प्रदर्शन किया। देवांग गुप्ता, सुखचेन सिंह और जोयल सरकार की टीम ने मलेशिया को 5-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस दौरान टीम ने एक भी सेट नहीं गंवाया, जो उनके शानदार फॉर्म को दर्शाता है। महिला रिकर्व टीम ने भी कांस्य पदक अपने नाम किया।

रूमा विश्वास, कीर्ति और रिद्धी की तिकड़ी ने मलेशिया को 5-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। कुल मिलाकर, भारतीय तीरंदाजों का यह प्रदर्शन उत्साहजनक है और आने वाले मुकाबलों के लिए उम्मीदें बढ़ाता है।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन भारत ने दो कांस्य पदक अपने नाम किए

संजय दत्त की अपकमिंग फिल्म 'आखरी सवाल' का ऐलान

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद अब संजय दत्त अपनी नई फिल्म 'आखरी सवाल' के जरिए पर्दे पर वापसी करने वाले हैं। फिल्म की रिलीज डेट 15 मई तय कर दी गई है। पहले केवल इसकी झलक सामने आई थी, जिसने दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी थी, लेकिन अब मेकर्स ने दमदार पोस्टर के साथ रिलीज डेट का भी ऐलान किया। पोस्टर में संजू बाबा का संजीदा चेहरा और टैगलाइन 'वो सवाल जो भारत ने पूछना कभी बंद नहीं किया' दर्शकों की जिज्ञासा और बढ़ा देती है।

फिल्म भारत के सबसे पुराने और एकजुट संगठनों में से एक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 100 साल की यात्रा की सच्ची कहानी पर आधारित है। इसमें दर्शकों को उस महत्वपूर्ण मीटिंग के बारे में दिखाया जाएगा जिसने भारत के भविष्य को प्रभावित किया। फिल्म राष्ट्र के लिए निस्वार्थ सेवा के मूल विचार पर रोशनी डालती है और उन अनकही सच्चाइयों से रूबरू कराती है जो आम तौर पर लोगों के सामने नहीं आती। फिल्म की कास्ट में संजय दत्त के अलावा अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा शामिल हैं। इसे अभिजीत मोहन वारंग ने निर्देशित किया है। निर्माताओं में निखिल नंदा और संजय दत्त के साथ पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद शामिल हैं। स्क्रीनप्ले और डायलॉग उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। नीम ट्री एंटरटेनमेंट और निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ने की उम्मीद है।

'लाफ्टर शेफ्स 3' में निया-जन्नत की तकरार, वीडियो हुआ वायरल

यूनिक समय, नई दिल्ली। लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन-3 इन दिनों अपने मजेदार कंटेंट और सेलिब्रिटी नोकझोंक के चलते खूब चर्चा में है। हाल ही में शो का एक प्रोमो वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें निया शर्मा और जन्नत जुबैर के बीच तीखी बहस देखने को मिल रही है।

वीडियो में दिखाया गया है कि कुकिंग टास्क के दौरान दोनों के बीच दाल को लेकर विवाद शुरू हो जाता है। बात इतनी बढ़ जाती है कि मजाक-मस्ती में शुरू हुई बहस झगड़े का रूप ले लेती है। इस दौरान अली गोनी बीच-बचाव करते नजर आते हैं, वहीं समर्थ जुरेल और कृष्णा अभिषेक स्थिति को संभालने की कोशिश करते हैं। झगड़े के दौरान निया शर्मा गुस्से में जन्नत जुबैर को कोर्ट में मुकदमा करने तक की धमकी दे देती हैं, जिससे माहौल और गरमा जाता है। हालांकि यह पूरी घटना मनोरंजन के उद्देश्य से दिखाई गई है, जिसे दर्शक काफी एंजॉय कर रहे हैं।

शो के मेकर्स ने इस वीडियो को शेयर करते हुए इसे "मजेदार नोकझोंक" बताया है। फैंस भी इस प्रोमो को खूब पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर कर रहे हैं। कुल मिलाकर, 'लाफ्टर शेफ्स 3' अपने ऐसे ही हल्के-फुल्के ड्रामा और कॉमेडी के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है।

बांदा में भीषण सड़क हादसा

दो ट्रकों की टक्कर के बाद लगी आग में तीन की मौत

यूनिक समय, बांदा। बांदा में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने इलाके को दहला दिया। महोबा–बांदा नेशनल हाईवे पर मुंडेरी मोड़ के पास दो ट्रकों की आमने–सामने टक्कर के बाद भीषण आग लग गई, जिसमें तीन लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब एक ट्रक ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे दूसरे ट्रक से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों में तुरंत आग लग गई और देखते ही देखते लपटों ने पूरे ट्रकों को अपनी चपेट में ले लिया।

इस हादसे में गिट्टी से भरे ट्रक के चालक सुरेश पांडे (55), दूसरे ट्रक के चालक सूरज नाथ उर्फ साधु और क्लीनर सनी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, गिट्टी वाले ट्रक का क्लीनर अभिषेक यादव (23) गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की दो गाड़ियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि, जब तक आग बुझाई गई, तब तक तीनों लोग पूरी तरह जल चुके थे।

पुलिस के अनुसार, हादसे की मुख्य वजह तेज रफ्तार और लापरवाही से ओवरटेक करना बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मृतकों के परिजनों की पहचान व सूचना देने का प्रयास किया जा रहा है। यह हादसा एक बार फिर सड़क सुरक्षा और सावधानी की जरूरत को उजागर करता है।

एलपीजी संकट पर अखिलेश यादव का हमला

बोले– यूपी में 'लापता गैस' बन गई एलपीजी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एलपीजी की किल्लत को लेकर सियासत तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में एलपीजी का मतलब अब "लापता गैस" हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने इस संकट से निपटने के लिए कोई ठोस तैयारी नहीं की। लखनऊ में पार्टी मुख्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि गैस एजेंसियों के बाहर लंबी–लंबी लाइनें लगी हुई हैं, लेकिन लोगों को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा ने लोगों को सिर्फ लाइनों में लगाने का काम किया है, चाहे वह गैस हो या पेट्रोल। उन्होंने दावा किया कि 14 किलो का गैस सिलेंडर भी कम मात्रा में मिल रहा है, जबकि कीमत पूरी वसूली जा रही है। गैस की कमी के चलते कई जगहों पर लोगों को मजबूरी में चूल्हे और कोयले का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि अब "एक कचौरी, एक समोसा– गैस पर नहीं रहा भरोसा" जैसी स्थिति बन गई है।

अखिलेश यादव ने राज्य सरकार के उस दावे को भी खारिज किया, जिसमें कहा गया है कि प्रदेश में गैस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता को हकीकत समझनी चाहिए और सरकार के बयानों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने प्रदेश सरकार की नीतियों, निवेश समझौतों (एमओयू) और अन्य मुद्दों पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनने पर महिलाओं के लिए "स्त्री सम्मान समृद्धि योजना" शुरू की जाएगी, जिसके तहत हर महिला को सालाना आर्थिक सहायता दी जाएगी। अखिलेश यादव के इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर आरोप–प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

आगरा में पेट्रोल–डीजल महंगा

नायरा एनर्जी के पंपों पर बढ़े दाम से लोगों पर असर

यूनिक समय, आगरा। ईंधन कीमतों को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिला है। निजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी नायरा एनर्जी ने अपने पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि कर दी है। कंपनी के इस फैसले के बाद पेट्रोल की कीमत में 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल में 3 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया गया है। नए रेट तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है।

वर्तमान में नायरा के पंपों पर पेट्रोल की कीमत बढ़कर 99.62 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल 90.41 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इससे पहले पेट्रोल 94.62 रुपये और डीजल 87.41 रुपये प्रति लीटर के स्तर पर उपलब्ध था। हालांकि राहत की बात यह है कि सरकारी कंपनियों ने अभी तक अपने दामों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे उपभोक्ताओं को आंशिक राहत मिल रही है।

बताया जा रहा है कि मध्य–पूर्व में बढ़ते तनाव का असर वैश्विक तेल बाजार पर पड़ रहा है, जिसका सीधा प्रभाव भारत में ईंधन कीमतों पर दिख रहा है। वहीं, एलपीजी की किल्लत के बीच पेट्रोल–डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी ने महंगाई को और बढ़ाने का काम किया है।

पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि तेल कंपनियों ने ईंधन की सप्लाई में बदलाव किया है।

अब पंपों को उनकी रोजाना बिक्री के आधार पर ही आपूर्ति की जा रही है, जबकि पहले मांग और स्टोरेज क्षमता के अनुसार सप्लाई मिलती थी। इसके चलते कुछ क्षेत्रों, खासकर ग्रामीण इलाकों में, आपूर्ति प्रभावित हुई है।

पंप मालिकों के अनुसार, ईंधन की वास्तविक कमी नहीं है, लेकिन लोगों में आशंका के चलते जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवाने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। इसी वजह से कई जगहों पर अस्थायी दबाव की स्थिति बन रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अन्य कंपनियां भी जल्द दाम बढ़ाती हैं, तो आने वाले दिनों में आम लोगों पर महंगाई का असर और गहरा सकता है।

26 साल बाद पुराने मामले में दर्ज एफआईआर पर हाईकोर्ट कोर्ट की सख्त टिप्पणी

यूनिक समय, लखनऊ । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने देवरिया से जुड़े एक चर्चित मामले में अग्रिम जमानत पर सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश दिए। न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकल पीठ ने कहा कि जमानत पर निर्णय केवल आरोपों के आधार पर नहीं, बल्कि साक्ष्यों, परिस्थितियों और अभियुक्त की भूमिका के समग्र मूल्यांकन के बाद ही लिया जाना चाहिए।

अदालत ने पाया कि विवाद वर्ष 1999 का है, जबकि एफआईआर 2025 में दर्ज हुई, यानी लगभग 26 साल का लंबा अंतर है। इस देरी के कारणों की जांच को भी न्यायालय ने जरूरी माना। नूतन ठाकुर की ओर से दलील दी गई कि मामला प्लॉट आवंटन में नाम की त्रुटि से जुड़ा है, जबकि अभियोजन पक्ष ने इसे फर्जीवाड़ा बताया। सभी पहलुओं पर विचार करते हुए अदालत ने अग्रिम जमानत देने योग्य माना और गिरफ्तारी की स्थिति में शर्तों के साथ राहत देने का निर्देश दिया।

अफवाहों से यूपी में पेट्रोल पंपों पर भीड़

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में पेट्रोल–डीजल की किल्लत की अफवाहों के चलते गुरुवार को पंपों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लखनऊ, गोंडा, देवरिया, सुल्तानपुर और गोरखपुर समेत कई शहरों में लोग वाहनों के साथ–साथ डिब्बों और टंकियों में भी ईंधन भरवाने पहुंच गए, जिससे लंबी कतारें लग गईं। गोरखपुर में एक युवक बाइक पर अतिरिक्त टंकी लेकर पेट्रोल भरवाने पहुंचा, जबकि कई जगहों पर लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। स्थिति संभालने के लिए कुछ जिलों में पुलिस भी तैनात करनी पड़ी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल–डीजल लें। उन्होंने कहा कि अनावश्यक लाइन लगाने से देशभक्ति पर संदेह होता है। तेल कंपनियों के अनुसार प्रदेश में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और घबराने की जरूरत नहीं है। बावजूद इसके, अचानक बढ़ी मांग से पंपों पर दबाव की स्थिति बन गई है, जिससे प्रशासन को व्यवस्था संभालनी पड़ रही है।

सीएम योगी की अपील– लाइन में न लगें

रामनवमी पर अयोध्या पहुंचे दिग्विजय सिंह

रामलला के दर्शन कर देश की खुशहाली की कामना की

यूनिक समय, अयोध्या। रामनवमी के पावन अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने रामलला के दर्शन–पूजन किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस शुभ दिन पर अयोध्या आना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उनके आगमन पर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

दिग्विजय सिंह ने राम जन्मभूमि पहुंचकर विधि–विधान से पूजा–अर्चना की और देशवासियों की सुख–समृद्धि की कामना की। इसके बाद उन्होंने हनुमानगढ़ी में भी जाकर माथा टेका। इस दौरान उन्होंने धार्मिक आस्था को प्राथमिकता देते हुए अपनी यात्रा को पूरी तरह आध्यात्मिक बताया।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि रामनवमी के दिन भगवान राम की नगरी में आना उनके लिए गर्व और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने देश में शांति, समृद्धि और भाईचारे के लिए प्रार्थना की है। राम मंदिर को लेकर अपने रुख पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण का उन्होंने कभी विरोध नहीं किया। बल्कि उन्होंने मंदिर निर्माण के लिए 1,11,000 रुपये का सहयोग भी दिया है।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों जैसे अमेरिका–ईरान तनाव या पेट्रोल–डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे इस समय केवल धार्मिक यात्रा पर हैं और राजनीति पर कोई बात नहीं करना चाहते। रामनवमी के अवसर पर अयोध्या में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिससे पूरे शहर में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है। ऐसे में दिग्विजय सिंह का यह दौरा भी चर्चा का विषय बना रहा।

सार संक्षेप

पीएम मोदी कल राज्यों के सीएम से करेंगे बातचीत

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल सभी राज्यों के मुख्यमंत्री से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा करेंगे। बैठक का मुख्य विषय वेस्ट एशिया के हालात होंगे। इसके साथ ही राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा भी की जाएगी। प्रधानमंत्री का मकसद है कि संकट के समय राज्यों की तत्परता और आवश्यक कदमों का जायजा लिया जा सके, ताकि किसी अप्रत्याशित स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके।

ईरान के नेवी चीफ की मौत का दावा, होर्मूज स्ट्रेट पर तनाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। इजराइल ने दावा किया है कि उसने ईरान की आईआरजीसी नेवी के चीफ अली रजा खेरदमंद्र को मार गिराया। तंगसिरी, जो अगस्त 2018 से आईआरजीसी नेवी की कमान संभाल रहे थे, हॉर्मूज स्ट्रेट को बंद करने के लिए जिम्मेदार माने जाते थे। इस स्ट्रेट से विश्व का करीब 20 प्रतिशत क्रूड ऑयल और एलएनजी गुजरता है। उनकी मौत और स्ट्रेट बंद होने की वजह से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और ईंधन की कीमतों पर असर पड़ सकता है।

दिल्ली के दयालपुर में किशोर की चाकू से हत्या तीन नाबालिग गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के दयालपुर में 16 साल के लड़के की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने तीन नाबालिग (13-17 वर्ष) को गिरफ्तार किया, जिन्होंने बताया कि मृतक उनमें से एक को परेशान कर रहा था। वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किया गया। शव का पोस्टमार्टम जीटीबी अस्पताल में किया गया। दयालपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर फोरेंसिक जांच शुरू कर दी है।

नेपाल के सुदूरपश्चिम में भूकंप के झटके लोग घरों से निकले

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में रिक्टर स्केल पर 4.0 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। झटके सुबह 8:32 बजे दार्चुला जिले के मुरई क्षेत्र के पास महसूस हुए और आसपास के बैतड़ी व बझांग जिलों तक महसूस किए गए। हल्की तीव्रता के कारण किसी के हताहत होने या इमारत गिरने की खबर नहीं है। यह प्रांत भूकंपीय क्षेत्र में आने के कारण अक्सर भूकंप अनुभव करता है और हाल के दिनों में यह दूसरी बार झटके महसूस किए गए।

सोनिया गांधी की सेहत में सुधार, संक्रमण के बाद चल रहा इलाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को संक्रमण के कारण दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में 24 मार्च की रात भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत अब स्थिर है और धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। उन्हें एंटीबायोटिक्स दिए जा रहे हैं और वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम उनकी देखरेख कर रही है।

आंध्र प्रदेश में भीषण सड़क हादसा

ट्रक और बस की टक्कर में 14 यात्रियों की जिंदा जलकर मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मारकापुरम जिले में गुरुवार को एक भयंकर सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक यात्री बस और बजरी से भरे टिपर ट्रक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि दोनों वाहन आग के गोले में तब्दील हो गए। हादसे के तुरंत बाद बस में बैठे यात्री बाहर निकलने में असमर्थ रहे और आग की चपेट में आ गए।

पुलिस के अनुसार, बस के पिछले हिस्से में बैठे यात्रियों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। धुएं और लपटों से दम घुटने और जलने से 14 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। करीब एक दर्जन घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से निकाला गया और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। मारकापुरम के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) नागराजू ने बताया कि मृतकों की संख्या 14 है और कुछ शव अभी भी बस के मलबे में फंसे हो सकते हैं। बचाव दल उन्हें निकालने में जुटा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की शिनाख्त पूरी होने के बाद ही उनके परिजनों को सूचित किया जाएगा और शव सौंपे जाएंगे।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की हैं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है और प्रशासन से हादसे की पूर्ण जांच करने के निर्देश दिए हैं।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन आग के गोले में तब्दील हो गए

हादसे की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्टों में बताया गया कि ट्रक और बस की आपसी दूरी कम होने और सड़क पर ट्रैफिक की स्थिति की वजह से यह भीषण टक्कर हुई। दुर्घटना के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। यह हादसा क्षेत्र में सड़क सुरक्षा और वाहनों की सुरक्षा मानकों पर गंभीर प्रश्न उठाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यात्री बस और भारी वाहन के बीच टक्कर की संभावना को कम करने के लिए ट्रैफिक नियंत्रण और रोड सेफ्टी नियमों का पालन अनिवार्य है। इस भीषण हादसे ने पूरे इलाके को हिला दिया है और प्रशासन, पुलिस और बचाव दल को राहत एवं बचाव कार्य में जुटा दिया है। मृतकों के परिवारों को आर्थिक और मानसिक सहायता उपलब्ध कराने की भी तैयारी की जा रही है।

वीरता पुरस्कार विजेताओं को ट्रेन में आजीवन मुफ्त यात्रा मिलेगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वीरता पुरस्कार विजेता सैनिकों और उनके परिजनों को बड़ा तोहफा दिया है। अब थल सेना, वायुसेना और नौसेना के वीरता पदक विजेताओं को ट्रेन में जीवनभर मुफ्त यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। यह रियायत फर्स्ट क्लास, 2एसी और एसी चेयर कार कैटेगरी में लागू होगी और विजेता अपने साथ एक साथी को भी ले जा सकेंगे।

यह सुविधा केवल पुरस्कार विजेताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके परिवार को भी इसका लाभ मिलेगा। जीवनसाथी, चाहे वे विधवा हों या पुनर्विवाहित, इस सुविधा का इस्तेमाल कर सकेंगे। इसके अलावा, अविवाहित मरणोपरांत पुरस्कार विजेता के माता-पिता भी जीवनभर मुफ्त यात्रा का लाभ ले सकते हैं। सरकार का यह कदम सैनिकों की असाधारण वीरता और बलिदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक माना जा रहा है। इसका उद्देश्य केवल विजेताओं का सम्मान करना नहीं, बल्कि उनके परिवार को सामाजिक और आर्थिक सहारा देना भी है। इस पहल से सैनिकों और उनके परिवारों का मनोबल बढ़ेगा और युवा पीढ़ी को भी देश सेवा के लिए प्रेरणा मिलेगी। यह निर्णय उन नीतियों का हिस्सा है, जो सशस्त्र बलों के कल्याण और सम्मान को प्राथमिकता देती हैं। कुल मिलाकर, यह ऐलान देश के बहादुर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का एक अहम कदम है।

परिवार और जीवनसाथी को भी मिलेगा लाभ

श्रीलंका ने रामेश्वरम के सात मछुआरों को गिरफ्तार किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। श्रीलंका की नौसेना ने पाल्क जलडमरूमध्य में रामेश्वरम के सात भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी दो मशीनी नावें जब्त कर ली हैं। मछुआरों पर अवैध मछली पकड़ने का आरोप लगाया गया है। गिरफ्तार मछुआरे सिमसन और शशिकुमार की नावों पर सवार थे और नेदुनथीवू द्वीप के पास काम कर रहे थे, तभी श्रीलंकाई अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। नौसेना ने प्रारंभिक पूछताछ के बाद मछुआरों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए श्रीलंका के नौसैनिक बंदरगाह पर भेज दिया। इस घटना के विरोध में रामनाथपुरम जिले के थंगाचीमदम में मछुआरों ने जमकर प्रदर्शन किया। कार्ल मार्क्स की प्रतिमा के पास इकट्ठा हुए मछुआरों ने श्रीलंका सरकार के खिलाफ नारे लगाए और तुरंत मछुआरों व उनकी नावों को रिहा करने की मांग की। मछुआरा संगठनों ने केंद्र सरकार से दखल देने और समस्या का स्थायी समाधान निकालने की अपील की।

मत्स्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 25 मार्च को रामेश्वरम मछली लैंडिंग केंद्र से कुल 365 टोकन जारी किए गए थे। गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नावों के कारण स्थानीय मछुआरा समुदाय में गहरा रोष फैला। मछुआरा नेता जेसु राजा ने कहा कि उनका समुदाय पिछले चार दशकों से इस तरह की मुश्किलों का सामना कर रहा है और मछली पकड़ना उनकी आय का प्रमुख जरिया है। लगभग 90 प्रतिशत परिवार इसी पर निर्भर हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्थायी समाधान नहीं निकाला गया, तो मछुआरों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। एक अन्य मछुआरा एंटनी ने सवाल उठाया कि भारत और श्रीलंका के बीच दोस्ती होने के बावजूद ऐसी गिरफ्तारियां क्यों हो रही हैं। नावों को जब्त करने और भारी जुर्माना लगाने से कई परिवार कर्ज में डूब गए हैं और कई मछुआरे बेरोजगार हो गए हैं।

पारंपरिक मछली पकड़ने के अधिकारों पर उठे सवाल, संकट गहराया

क्यूबा में इतिहास का सबसे बड़ा ब्लैकआउट, करोड़ों लोग बेहाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्यूबा इस महीने अपने इतिहास के सबसे भीषण बिजली संकट का सामना कर रहा है। 22 मार्च को देश के बड़े हिस्से में बिजली चली गई, जिसे नासा की सैटेलाइट तस्वीरों में भी देखा गया। पिछले साल इसी समय शहरों में रोशनी जगमगा रही थी, लेकिन अब हवाना और सैंटियागो डी क्यूबा जैसे बड़े शहर भी अंधेरे में डूब गए हैं। इस ब्लैकआउट ने देश के एक करोड़ से ज्यादा लोगों की जिंदगी प्रभावित कर दी है।

क्यूबा अपनी 83 प्रतिशत से ज्यादा बिजली जरूरतों के लिए तेल पर निर्भर है। पुराने पावर प्लांट और सौर ऊर्जा या अन्य विकल्पों की कमी ने स्थिति और गंभीर बना दी है। तेल की सप्लाई कम होने से ग्रिड बार-बार फेल हो रहा है। पहले वेनेजुएला से मिल रहा तेल अब संकट के कारण कम हो गया है, जबकि अमेरिकी प्रतिबंधों ने अंतरराष्ट्रीय सप्लाई और महंगा कर दिया है।

बिजली न होने से बुनियादी सुविधाएं भी प्रभावित हुई हैं। पानी की सप्लाई रुक गई, फ्रिज और कोल्ड स्टोरेज काम नहीं कर रहे, अस्पताल जनरेटर पर निर्भर हैं और मोबाइल व इंटरनेट नेटवर्क भी ठप पड़े हैं। इस संकट से देशवासियों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो गई है और सरकार व अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए दबाव बढ़ गया है। कुल मिलाकर, तेल पर निर्भरता, पुराने पावर प्लांट और अंतरराष्ट्रीय पाबंदियों ने क्यूबा में एक अभूतपूर्व ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है, जिससे करोड़ों लोग अंधेरे और कठिन हालात का सामना कर रहे हैं।

मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में चोरी का मामला

स्टाफ ही निकला चोर, आठ आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में हुई चोरी के मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। चोरी में स्टाफ की ही संलिप्तता पाई गई है। मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में एक चौंकाने वाला चोरी का मामला सामने आया है, जिसमें मंदिर के स्टाफ की ही संलिप्तता पाई गई है। पुलिस ने अब तक 80 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। साथ ही मामले में अब तक कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच में पता चला है कि चोरी उस समय की गई जब दान पेटियों को एक कमरे से दूसरे कमरे में ले जाया जा रहा था। आरोपियों ने शक से बचने के लिए पेटियों से उंगलियों के जरिए धीरे-धीरे पैसे निकाले। इस मामले में ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ शामिल था, जो बाद में चोरी की रकम आपस में बांट लेते थे। यह चोरी पिछले दो महीनों से जारी थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद से ही पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए कई गिरफ्तारियां कीं। कुछ आरोपी पुलिस हिरासत में हैं, जबकि अन्य को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम हैं: राजेंद्र पेंडुरकर, शरद घाडी, समीर शिवालकर, अरविंद कडगे, अनिल रहाटे, पद्माकर आडकर, अभिषेक मुलिक और महेंद्र भाईजे। मामले की आगे की जांच चल रही है और आने वाले दिनों में और भी खुलासे होने की संभावना है।

एयर इंडिया की लंदन फ्लाइट तकनीकी खराबी के बाद दिल्ली लौटी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुरुवार को लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 111 को तकनीकी खराबी के शक के कारण दिल्ली वापस लौटना पड़ा। फ्लाइट सुबह 6:13 बजे दिल्ली से उड़ी थी और दोपहर 1:20 बजे लौट आई। एयरबस ए350-900 विमान ने सऊदी अरब के एयरस्पेस में उड़ान भरते समय अजीब आवाजें सुनीं, जिसके बाद सुरक्षा के लिए यू-टर्न लिया गया। एयर इंडिया ने बताया कि विमान सुरक्षित तरीके से उतरा और इसकी गहन तकनीकी जांच की जा रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए एयरलाइन जल्द ही नई यात्रा की व्यवस्था करेगी। यह तकनीकी समस्या एयर इंडिया के विमान में इस महीने दूसरी बार सामने आई है।

अनुबंधित बस के ड्राइवर कंडक्टर को पांच-पांच साल की कैद

अदालत ने दोनों पर लगाया 10-10 हजार रुपये का जुर्माना

पुराने बस स्टैण्ड पर खड़ी बस में लगी थी तीन साल पहले आग

बस में जलकर एक व्यक्ति की हुई थी मौत

यूनिक समय, मथुरा। जिला जज विकास कुमार की अदालत ने पुराने बस स्टैण्ड पर अनुबंधित बस में वर्ष 2022 में लगी आग के मामले में चालक और परिचालक को गैर इरादतन हत्या का दोषी मानते हुए पांच-पांच वर्ष की कैद और 10-10 हजार रुपये के अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया है। बस में आग से एक सवारी की जलकर मौत हो गई थी। शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी कर रहे जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया पुराने बस स्टैण्ड पर खड़ी बुद्ध विहार डिपो अलीगढ़ की रोडवेज से अनुबंधित बस में 14 फरवरी 2022 की शाम को अचानक भीषण आग लग गई थी। बस में सवार 50 वर्षीय व्यक्ति की जलकर मौत हो गई थी। आग से बस भी पूरी तरह जल गई थी। 15 फरवरी 2022 को इस मामले में प्रेम सिंह पुत्र हरप्रसाद निवासी गांव व पोस्ट नौगंवा तहसील सादाबाद जिला हाथरस ने बस के चालक तेजवरी उर्फ भोला पुत्र नेत्रपाल सिंह, निवासी जिरौली थाना अनुपशहर जिला बुलंदशहर व परिचालक सुरेन्द्र उर्फ सुरेश पुत्र नौहबत सिंह निवासी ग्राम धारा की गढ़ी थाना गौण्डा अलीगढ़ के खिलाफ कोतवाली में दर्ज कराई थी। पुलिस ने बस के चालक व परिचालक को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया था। मुकदमे की सुनवाई जिला जज विकास कुमार की अदालत में हुई। अदालत ने बस के चालक और परिचालक को गैर इरादतन हत्या का दोषी करार देते हुए उन्हें पांच-पांच वर्ष के कारावास और दस-दस हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया है। दोनों जमानत पर थे। निर्णय सुनाए जाने के बाद अदालत ने दोनों का सजाई वारंट बना उन्हें जेल भेज दिया।

बंदरों के हमले में छत से गिरकर हुई अधेड़ की मौत

गांव अलवाई में बंदरों से ग्रामीण दहशत में

यूनिक समय, छाता। छाता कोतवाली के गांव अलवई में बंदरों ने छत पर टहल रहे एक वृद्ध पर हमला कर दिया। बंदरों के हमले में बचने के प्रयास में वृद्ध का बैलेंस बिगड़ गया और वह छत से जमीन पर गिर गया। बुरी तरह से घायल वृद्ध को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। ग्रामीण इलाके में बंदरों के आतंक से लोगों में दहशत का माहौल है। गांव अलवाई निवासी क्षेत्रपाल (60) गुरुवार को सुबह 9:00 अपने घर की छत पर टहल रहे थे। इसी दौरान बंदरों के एक झुंड ने उन पर अचानक हमला बोल दिया। खुद को बचाने के प्रयास में वह अनियंत्रित होकर छत से नीचे जमीन पर गिर गए। जमीन पर गिरने के कारण सिर में ज्यादा चोट आई। शोर सुनकर परिजन और पड़ोसी मौके पर पहुंचे और बंदरों को भगाकर घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान क्षेत्रपाल ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों के अनुसार, मृतक के सिर और शरीर के हिस्सों में गहरी चोटें आई थीं। उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीण इलाके में बंदरों के झुंड ने आतंक मचा रखा है। अकले देख बंदर किसी भी व्यक्ति पर हमला कर देते हैं। बंदरों के झुंड में होने के कारण अगर कोई उन्हे भगाने का प्रयास करता है तो वह उस पर सीधा हमला कर देते हैं। इसके चलते महिलाएं और बच्चे भी अकेले छत पर जाने से कतराते हैं। हर किसी को इस बात का डर लगा रहता है कि बंदरों का झुंड आकर हमला न कर दे। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से बंदरों के आतंक से छुटकारा दिलाने की मांग की है।

गीता शोध संस्थान में गीता गान प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

गीता गान प्रशिक्षण कार्यशाला के शुभारंभ के अवसर पर पदाधिकारी।

यूनिक समय, वृंदावन। उ.प्र. ब्रज तीर्थ विकास परिषद, मथुरा द्वारा संचालित गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी, वृंदावन में 26 मार्च से 01 अप्रैल तक आयोजित होने वाली एक सप्ताह की "गीता गान" प्रशिक्षण कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य गीता के श्लोकों के शुद्ध उच्चारण, भावपूर्ण प्रस्तुति तथा उन्हें गीत के रूप में गाने की विधा का प्रशिक्षण प्रदान करना है। प्रशिक्षण के अंतर्गत अक्षर ज्ञान, व्यंजन, उच्चारण, संभाषण तथा ध्वनि विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा। यह प्रशिक्षण प्रतिदिन सायं 3:00 बजे से 4:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। गीता शोध संस्थान के निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण गीता के श्लोकों को सरल एवं सहज रूप में समझने का एक अभिनव प्रयास है। जिनमें गीता के मूलभूत तत्व, संधि, ध्वनि, अक्षर ज्ञान तथा गायन शैली का गहन अभ्यास कराया जाएगा। कार्यशाला का संचालन गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी, वृंदावन के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार की देखरेख में किया जा रहा है। कार्यशाला में प्रमुख प्रशिक्षक भक्ति वेदांत इंस्टीट्यूट, सिंगापुर के निदेशक दीना अनुकंपन दास सहित अन्य विद्वान के द्वारा

9 साल में बदला ब्रज का रूप

दस करोड़ दर्शनार्थियों ने किए दर्शन

रोप-वे और विकास से बढ़ी सुविधा, रोजगार में भी उछाल

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते नौ वर्षों में ब्रज क्षेत्र की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। मथुरा-वृंदावन अब सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित विश्वस्तरीय आध्यात्मिक स्थल बन गया है। पहले जहां कई धार्मिक स्थल उपेक्षा का शिकार थे, वहीं अब उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के प्रयासों से कुसुम सरोवर, राधा कुंड, मानसी गंगा जैसे पौराणिक कुंडों का सुंदर कायाकल्प किया गया है। साफ-सफाई, पक्के घाट और आकर्षक लाइट एंड साउंड शो से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को अलग ही अनुभव मिल रहा है। यात्रा अब पहले से ज्यादा आसान हो गई है। सड़कों और एक्सप्रेस-वे से बेहतर कनेक्टिविटी के साथ बरसाना स्थित श्री राधा-रानी जी मंदिर तक रोप-वे शुरू होने से बुजुर्गों और दिव्यांगों को बड़ी राहत मिली है। वहीं श्री बांके बिहारी जी मंदिर क्षेत्र में भी सुविधाएं लगातार बढ़ाई जा रही हैं। पर्यटन में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। साल 2019 में जहां करीब 1.6 करोड़ लोग ब्रज पहुंचे थे, वहीं 2025 तक यह संख्या 10 करोड़ से ज्यादा हो गई। ब्रज की होली को 'रंगोत्सव' के रूप में पहचान मिलने से देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं। इस बढ़ती भीड़ का सीधा फायदा स्थानीय लोगों को मिला है। होटल, पेड़ा कारोबार, पूजा सामग्री और हस्तशिल्प से जुड़े कामों में तेजी आई है, जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिला है।

साथ ही संस्कृति को बचाने के लिए रासलीला और पारंपरिक कलाओं को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। अब ब्रज में श्रद्धा के साथ सुविधा भी मिल रही है। साफ-सफाई, बेहतर व्यवस्था और आधुनिक विकास के कारण मथुरा-वृंदावन हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहा है और देश के प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

पुलिस ने जागरूकता रैली निकाल नवरात्रि में दिया नारी शक्ति का संदेश

यूनिक समय, कोसीकलां। मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के तहत महिला पुलिसकर्मियों एवं अधिकारियों ने सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का संदेश देते हुए नगर में जागरूकता रैली निकाली। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए जब खाकी वर्दी में महिला पुलिसकर्मी आगे आईं तो समाज के विभिन्न वर्गों तक महिला सशक्तिकरण का सशक्त संदेश पहुंचा। सीओ छाता ब्रजभूषण वर्मा ने थाने से हरी झंडी दिखाकर बाइक रैली को रवाना किया। रैली थाने से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख बाजारों से होते हुए गुजरी। रैली में महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, समाजसेवी एवं क्षात्राएं, आम नागरिक बड़ी संख्या में सम्मलित हुए। रैली में साथ चल रहे इंस्पेक्टर राजकमल, महिला उपनिरीक्षक पलक सोलंकी, काजल तौमर ने लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जा रही है। आमजन से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति में वूमेन पावर लाइन 1090, इमरजेंसी सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, साइबर हेल्पलाइन 1930, महिला हेल्पलाइन 181, एम्बुलेंस सेवा 102/108 एवं फायर सेवा 101 का प्रयोग करें। रैली में कस्बा चौकी इंचार्ज दुष्यंत कौशिक, उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार, कांस्टेबल विनीत, कांस्टेबल रिंकू, कांस्टेबल विनीता, कांस्टेबल राधा, कांस्टेबल रेखा, कांस्टेबल ममतेश, कांस्टेबल पूनम, कांस्टेबल पूजा मौजूद रहे।

भारतीय शिक्षण मंडल का स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न

यूनिक समय, मथुरा। बिरला मंदिर स्थित कृष्णा पुरम में भारतीय शिक्षण मंडल का स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में भारतीय शिक्षण मंडल के जिला संयोजक वरदान दीक्षित ने संगठन की स्थापना और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसकी स्थापना वर्ष 1969 में हुई थी। शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, राष्ट्रभाव जागरण और सांस्कृतिक चेतना का आधार होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक देशपाल सिंह ने कहा कि शिक्षा में भारतीय संस्कारों का समावेश अत्यंत आवश्यक है। सेवा भारती के महानगर अध्यक्ष डॉ. शिवराज भारद्वाज ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में भगवद्गीता के उपदेशों को शामिल किया जाना चाहिए। इस अवसर पर संदीप शर्मा, जितेंद्र सिंह राठौर, दिनेश भारद्वाज, रेनू उपाध्याय, विधान दीक्षित, आलोक उपाध्याय, डॉ. नीतू गोस्वामी, श्याम शर्मा, अर्जुन पंडित, तपन शर्मा, आशीष शर्मा और राजू राजपूत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डॉ. अरविंद कुमार चित्तौड़िया यूपीआरएसए के वरिष्ठ सचिव एवं परियोजना निदेशक नियुक्त

डॉ. अरविंद कुमार चित्तौड़िया

यूनिक समय, मथुरा। खेल एवं युवा कल्याण के क्षेत्र में सक्रिय वरिष्ठ खेल प्रशासक और पत्रकार डॉ. अरविंद कुमार चित्तौड़िया को उत्तर प्रदेश रोप स्किपिंग एसोसिएशन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। एसोसिएशन के महासचिव डॉ. विपिन कुमार द्वारा जारी पत्र के अनुसार उन्हें कार्यकारिणी समिति में वरिष्ठ सचिव तथा रोप स्किपिंग प्रोत्साहन समिति का परियोजना निदेशक नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से प्रदेश में रोप स्किपिंग खेल के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। डॉ. चित्तौड़िया के अनुभव और प्रबंधन कौशल के आधार पर एसोसिएशन ने विश्वास जताया है कि उनके मार्गदर्शन में यह खेल प्रदेश में नई ऊंचाइयों को छुएगा। उनकी नियुक्ति पर खेल जगत एवं सामाजिक संगठनों में खुशी की लहर है। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलेंगे। एसोसिएशन ने प्रदेश में नई खेल योजनाओं एवं प्रतियोगिताओं के आयोजन का भी संकल्प लिया है।

बालगृह की बेटियों ने खेलों में रचा नया इतिहास

परिवार ने छोड़ा, बेटियों ने देश का नाम रोशन किया

रंजीता, रवीना और ममता ने साबित कर दिया कि हालात चाहे कितने भी कठिन क्यों न हों, हौसले बुलंद हों तो मंजिल जरूर मिलती है

यूनिक समय, नई दिल्ली । छत्तीसगढ़ के कोंडागांव से आई तीन बेटियों की कहानी संघर्ष, साहस और सफलता की मिसाल बन गई है। जिन बच्चियों को कभी परिवार ने छोड़ दिया था, आज वही बेटियां खेल के मैदान में देश का नाम रोशन कर रही हैं। छत्तीसगढ़ के इस बालगृह से निकली रंजीता, रवीना और ममता ने साबित कर दिया कि हालात चाहे कितने भी कठिन क्यों न हों, हौसले बुलंद हों तो मंजिल जरूर मिलती है।

18 वर्षीय रंजीता ने अपने जीवन में कई कठिनाइयों का सामना किया। पिता के निधन के बाद मां ने दूसरी शादी कर ली और उन्हें नानी के घर छोड़ दिया गया। वहां उनका बचपन बकरियां चराते बीता। बाद में बालगृह पहुंचीं, जहां उन्हें जूडो से परिचय मिला। आज रंजीता 11 नेशनल और इंटरनेशनल प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी हैं और खेलो इंडिया में छत्तीसगढ़ को पहला गोल्ड मेडल दिलाकर इतिहास रच चुकी हैं। 14 साल की रवीना की कहानी भी कम प्रेरणादायक नहीं है। बचपन में ही घर के कामों और जिम्मेदारियों में उलझी रवीना बालगृह आने के बाद भी डर के साए में रहती थी। धीरे-धीरे उन्होंने तीरंदाजी में अपनी पहचान बनाई और अब वह बिलासपुर स्थित खेलो इंडिया स्टेट सेंटर के लिए चयनित हो चुकी हैं।

ममता का बचपन भी संघर्षों से भरा रहा। पिता की मौत के बाद उन्हें अपने पिता का नाम तक याद नहीं था। मां भी साथ नहीं रहीं। बालगृह ने ही उन्हें पढ़ाई और खेल दोनों का सहारा दिया। जूडो में प्रशिक्षण लेकर ममता ने भी अपने जीवन को नई दिशा दी। इन तीनों बेटियों के लिए बालगृह ही अब परिवार बन गया है। यहीं से उन्हें शिक्षा, प्रशिक्षण और आत्मविश्वास मिला। आज वे न सिर्फ अपने पैरों पर खड़ी हैं, बल्कि देश के लिए पदक जीतने का सपना भी देख रही हैं। इनकी कहानी यह संदेश देती है कि अवसर और सही मार्गदर्शन मिल जाए, तो कोई भी बच्चा अपनी किस्मत खुद लिख सकता है।

पढ़िए वो
जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com